हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली-110007

चयन आधारित क्रेडिट पद्धति (सी.बी.सी.एस.) के अनुसार

एम.ए. (हिंदी) दो वर्षीय पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम विवरणिका

(शैक्षणिक सत्र : जुलाई, 2019 से आरंभ)

एम. ए. (हिन्दी) LOCF

प्रस्तावना - एम. ए. हिन्दी स्नातकोत्तर स्तर का कार्यक्रम है जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी के विवेक को विस्तार देते हुए गहन अध्ययन तथा शोध की उत्कंठा विकसित करना है| ज्ञान की शाखाओं के साथ-साथ आज विश्व को सजग, आलोचनात्मक, विवेकशील और सम्वेदनशील व्यक्तित्व की आवश्यकता है, जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरुद्ध समानता और बंधुत्व के भाव की स्थापना कर सके| साहित्य का अध्ययन मनुष्य को इस संदर्भ में विस्तार देता है तथा मानवता की विजय में उसके विश्वास को दृढ़ करता है| भाषा, आलोचना, काव्यशास्त्र का अध्ययन जहाँ सैद्धांतिक समझ को विस्तृत करता है वहीं कविता, नाटक, कहानी में उन सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से समझने की युक्तियाँ छिपी रहती हैं| इस प्रकार एम.ए. हिंदी का पाठ्यक्रम विद्यार्थी को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों रूपों में सक्षम बनाता है| साथ ही पाठ्यक्रम की संरचना इस बात की आजादी भी देती है कि वह मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम में अपनी इच्छा से विभिन्न विषयों को पढ़ सके|

उद्देश्य (Objectives)

एम. ए. पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को स्नातक के पश्चात विषयों के गम्भीर अध्ययन की ओर प्रेरित करना है| एम. ए. पाठ्यक्रम को 4 सेमेस्टर में विभाजित करते हुए 98 क्रेडिट के रूप में प्रस्तुत किया गया है| मूल पाठ्यक्रम के 14 प्रश्नपत्रों का विभाजन तीन सत्रों में किया गया है, साथ ही चतुर्थ सत्र में ऐच्छिक प्रश्नपत्र तथा द्वितीय-चतुर्थ सत्र में मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम का प्रावधान है जिससे विद्यार्थी की अंतर-अनुशासनिक समझ का भी विस्तार होता है| सभी विद्यार्थियों के लिए प्रोजेक्ट कार्य का भी प्रावधान है जिससे भविष्य में शोध की राहें भी सुगम हो सकें|

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल सम्बन्धों की पहचान कराना भी है जिससे विद्यार्थी देश, समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ बदलते समय में व्यापक सरोकारों से अपना सम्बन्ध जोड़ सके साथ ही उसके भाषा कौशल, लेखन और सम्प्रेषण क्षमता का विकास हो सके| भाषाविज्ञान, शैली विज्ञान, अनुवाद, सौन्दर्य शास्त्र, जनसंचार माध्यम, हिन्दी साहित्य, भारतीय साहित्य और प्रयोजनमूलक भाषाविज्ञान आदि विषयों का अध्ययन विद्यार्थी के क्षितिज का विस्तार करने में सहायक है|

परिणाम (Outcomes)

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने-पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-

1) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के आरंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी ।

2) भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा ।

3) उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा ।

4) छात्र हिन्दी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे।

5) व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कम्प्यूटर और सिनेमा जैसे विषयों को हिन्दी से जोड़कर पढ़ाना जिससे बाज़ार के लिए आवश्यक योग्यता का भी विकास किया जा सके|

6) हिंदी के अतिरिक्त भारतीय साहित्य का ज्ञान भी अपेक्षित रहेगा जो छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा ।

7) साहित्य के माध्यम से सौंदर्यबोध, नैतिकता, पर्यावरण और सामाजिक समरसता संबंधी विषयों की समझ विकसित होगी|

8) साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा देना| कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा विद्यार्थी की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना |

9) साहित्य के आदिकालीन सन्दर्भों से लेकर समकालीन रूप से परिचित कराना जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और युगबोध के सम्बन्ध को परख और पहचान सके |

10) साहित्य विवेक का निर्माण करते हुए सूचना-प्रोद्यौगिकी के क्षेत्र में हिन्दी के दखल की जानकारी देकर मीडिया के प्रति आस्वादन का निर्माण करना |

11) प्राचीन और नवीन भारतीय एवं पाश्चात्य सौन्दर्य सिद्धांतों तथा काव्यशास्त्रीय प्रतिमानों का अध्ययन – विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी |

शिक्षण-प्रशिक्षण प्रक्रिया (Teaching Learning Process)

सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देना है। छात्र हिंदी भाषा में नयेपन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें। अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सकें। साहित्य की समझ विकसित हो सके तथा आलोचनात्मक ढंग से साहित्यिक विवेक निर्मित किया जा सके। इसके लिए निम्नांकित बिन्दुओं को देखा जा सकता है –

कक्षा व्याख्यान
सामूहिक चर्चा
सामूहिक परिचर्चा और चयनित विषयों पर आधारित सेमिनार आयोजन
साहित्यिकता की समझ देना
प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप में देखना
कक्षाओं में पठन- पाठन पद्धति
लिखित परीक्षा
आंतरिक मूल्यांकन
शोध सर्वे
वाद –विवाद
आशु प्रस्तुति
कम्प्यूटर आदि का व्यावहारिक ज्ञान
दृश्य श्रव्य माध्यमों की जानकारी व्यावहारिक रूप से देना
काव्य वाचन,पठन और आलोचनात्मक मूल्यांकन
कथा पाठ और वाचन में अंतर समझाना
आलोचनात्मक मूल्यांकन पर बल

मूल्यांकन विधि (Assessment Method)

(1) हिंदी भाषा के व्यावहारिक मूल्यों पर आधारित परियोजना कार्य व मूल्यांकन।

(2) भाषिक नमूने तैयार करना और विश्लेषण

(3) विद्यार्थियों का मौखिक और लिखित मूल्यांकन

(4) पी.पी.टी. (Power Point Presentation) बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना। इस माध्यम से हिंदी की विविध विधाओं को दृश्य माध्यम से रुचिकर रूप से जाना जा सकेगा।

(5) विधा विशेष के भाव - सौंदर्य के अतिरिक्त छंद, अलंकार, रस, गुण, शब्द आदि के सौंदर्य से भी आधुनिक सन्दर्भ में परिचित कराया जाना चाहिए।

(6) भाव विश्लेषण के लिए विधा आधारित प्रश्नोत्तरी कर मूल्यांकन करना।

(7) पारम्परिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन

(8) समूह-परिचर्चा

(9) सेमेस्टर अंत परीक्षा के माध्यम से विषयगत जानकारी का मूल्याँकन

<u>पाठ्यक्रम विवरणिका</u>

एम.ए. (हिंदी) दो वर्षीय पाठ्यक्रम

<u>भूमिका</u>

सेमेस्टर पद्धति को लागू करने की दृष्टि से एम.ए. (हिंदी) का प्रस्तुत पाठ्यक्रम अपेक्षित संशोधन एवं परिवर्धन के बाद वर्ष 2009-2010 में लागू किया गया था। सी.बी.सी.एस. पद्धति के अनुसार यह पाठ्यक्रम वर्ष 2018-2019 के प्रथम सेमेस्टर से लागू किया जाएगा। पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्रों के प्रारूप तथा अंक-विभाजन में अपेक्षित एवं समुचित परिवर्तन किए गए हैं। प्रस्तावित पुस्तकों की सूची भी अद्यतन की गई है।

<u>संबद्धता</u> : हिंदी विभाग द्वारा प्रस्तावित यह पाठ्यक्रम उत्तर एवं दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए होगा।

<u>पाठ्यक्रम-संरचना :</u>

एम.ए. (हिंदी) का यह पाठ्यक्रम दो वर्षीय पाठ्यक्रम होगा, जिसे दो भागों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक भाग में दो-दो सेमेस्टर होंगे, जिन्हें सेमेस्टर-I, II, III और IV माना जाएगा :

भाग	वर्ष	सेमेस्टर	
भाग-I	प्रथम वर्ष	सेमेस्टर-I	सेमेस्टर-II
भाग-II	द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर-III	सेमेस्टर-IV

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा निर्मित एवं दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत चार सेमेस्टर के चयन आधारित क्रेडिट पद्धति (सी.बी.सी.एस.) के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तथा मूल्यांकन-पद्धति को तैयार किया गया है। प्रत्येक छात्र को उत्तीर्ण होने के लिए एम.ए. उपाधि के अंतर्गत कुल 98 क्रेडिट अर्जित करने होंगे।

सेमेस्टरवार प्रश्नपत्रों का विवरण इस प्रकार होगा :

एम.ए. (हिंदी) दो वर्षीय पाठ्यक्रम–वर्ष 2018 से आरंभ

क्रेडिट पाठ्यक्रम पद्धति

(Course Credit Scheme)

सेमेस्टर (Semester)	मूल पाठ्यक्रम (Core Course)			ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Course)			मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Open Elective Course)			कुल क्रेडिट (Total Credits)
	प्रश्नपत्रों की संख्या No. of Papers	क्रेडिट Credits (L+T)	कुल क्रेडिट Total Credits	प्रश्नपत्रों की संख्या No. of Papers	क्रेडिट Credits (L+T)	कुल क्रेडिट Total Credits	प्रश्नपत्रों की संख्या No. of Papers	क्रेडिट Credits (Lecture) (L+P)	कुल क्रेडिट Total Credits	
I	0**5**	4+1=**5**	5x5=**25**	---	---	---	---	---	---	**25**
II	0**4**	4+1=**5**	5x4=**20**	---	---	---	01	04	**04**	**24**
III	0**5**	4+1=**5**	5x5=**25**	---	---	---	---	---	---	**25**
IV	---	---	---	0**4**	4+1=**5**	4X5= **20**	01	04	**04**	**24**
Total Number of Papers	**14**			**04**			**02**			
Total Credits for the Course			**70**			**20**			**8**	**98**

Total Number of Papers : 20 (14+4+2)

Total Credits for the Course : 98 (70+20+8)

एम.ए. (हिंदी) के अंतर्गत **तीन** प्रकार के पाठ्यक्रम होंगे :

1. **मूल पाठ्यक्रम (Core Course) :** एम.ए. (हिंदी) के प्रत्येक सेमेस्टर के सभी छात्रों के लिए यह अनिवार्य पाठ्यक्रम होगा। सेमेस्टर–I के अंतर्गत 5 (पाँच) मूल पाठ्यक्रम, सेमेस्टर–II के अंतर्गत 4 (चार) मूल पाठ्यक्रम, सेमेस्टर–III के अंतर्गत 5 (पाँच) मूल पाठ्यक्रम निर्धारित है। इस प्रकार मूल पाठ्यक्रम के अंतर्गत कुल 14 (चौदह) प्रश्नपत्र हैं।
2. **ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Course) :** ऐच्छिक पाठ्यक्रम में विशेष अध्ययन की दृष्टि से कुल 8 (आठ) विकल्पों की व्यवस्था है। विद्यार्थी इनमें से किसी एक विकल्प का चयन कर सकेंगे। इन वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की व्यवस्था सेमेस्टर–IV के अंतर्गत की गई है, जिसमें प्रत्येक विकल्प के कुल 4 (चार) प्रश्नपत्र हैं।
3. **मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Open Elective Course):** इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत सेमेस्टर–II में दो वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की व्यवस्था है। विद्यार्थी इनमें से किसी एक विकल्प का अपनी इच्छा से चयन कर सकेंगे। इसी प्रकार सेमेस्टर–IV के अंतर्गत भी दो वैकल्पिक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए गए हैं, इसमें भी विद्यार्थी स्वेच्छा से किसी एक विषय का चयन कर सकेंगे। मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम में आंतरिक मूल्यांकन के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को एक परियोजना (Project) प्रस्तुत करना होगा। द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में प्रस्तुत मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम हिंदी विभाग के विद्यार्थियों और अन्य विभागों के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम के निर्धारित प्रश्नपत्रों का विविध सेमेस्टर के अनुसार विवरण इस प्रकार है :

मूल पाठ्यक्रम (Core Course) (कुल 70 क्रेडिट)

सेमेस्टर (Semester)	मूल पाठ्यक्रम (Core Course) (70 क्रेडिट)			
	प्रश्नपत्रों के शीर्षक (Title of Papers)	प्रश्नपत्रों की संख्या (No. of papers)	क्रेडिट (Credits) (L+T)	कुल क्रेडिट (Total Credits)
I	101 – हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	05	**4+1**	**5**
	102 – आदिकालीन हिंदी काव्य		**4+1**	**5**
	103 – भक्तिकालीन हिंदी काव्य		**4+1**	**5**
	104 – हिंदी कथा–साहित्य		**4+1**	**5**
	105 – भारतीय काव्यशास्त्र		**4+1**	**5**
				(Total : 5X5=25 Credits)
II	201 – रीतिकालीन हिंदी काव्य	04	**4+1**	**5**
	202 – आधुनिक हिंदी काव्य–I		**4+1**	**5**
	203 – हिंदी–नाटक		**4+1**	**5**
	204– सामान्य भाषाविज्ञान		**4+1**	**5**
				(Total : 5X4=20 Credits)
III	301 – आधुनिक हिंदी काव्य–II	05	**4+1**	**5**
	302 – हिंदी–आलोचना		**4+1**	**5**
	303 – हिंदी के अन्य गद्य रूप		**4+1**	**5**
	304 – हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)		**4+1**	**5**
	305 – पाश्चात्य काव्यशास्त्र		**4+1**	**5**
				(Total : 5X5=25 Credits)
IV	--------------------------	---------------	-----------	-------------
Total Credits for the Core Course	**Total Credits : 25+20+25=70**			**(70 Credits)**

ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Course)

*नोट : विद्यार्थी (क), (ख), (ग), (घ), (च), (छ), (ज), (झ) कुल 8 (आठ) में से किसी 1 (एक) विकल्प का चयन करेगा

सेमेस्टर (Semester)	ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Course)			
	प्रश्नपत्रों के शीर्षक (Title of Papers)	प्रश्नपत्रों की संख्या (No. of papers)	क्रेडिट (Credits) (L+T)	कुल क्रेडिट (Total Credits)
I	--------------------------	---------------	-----------	-------------
II	--------------------------	---------------	-----------	-------------
III	--------------------------	---------------	-----------	-------------
IV	*(क) मध्यकालीन हिंदी साहित्य 4041 – मध्यकालीन हिंदी साहित्य : अवधारणा और स्वरूप 4042 – पूर्व मध्यकालीन (भक्ति) काव्य 4043 – उत्तर मध्यकालीन (शास्त्रीय) काव्य 4044 – मध्यकालीन नीति, भक्ति, प्रेम एवं संत काव्य	04	4+1 4+1 4+1 4+1	5 5 5 5
	*(ख) आधुनिक हिंदी साहित्य 4071– आधुनिकता की यात्रा 4072 – आधुनिक हिंदी साहित्य की विशेषताएँ 4073 – आधुनिक भारतीय साहित्य का संदर्भ 4074 – आधुनिक विश्व साहित्य (हिंदी में अनूदित)			
	*(ग) नाटक एवं रंगमंच 4011 – रंगमंच : सिद्धांत और इतिहास 4012 – रंगमंच : पाठ और प्रदर्शन 4013 – भारतीय भाषाओं का रंगमंच (रचनाओं के माध्यम से) 4014– विशेष अध्ययन : हिंदी नाटक का कोई एक युग			

	***(घ) भाषाविज्ञान** 4061 – हिंदी भाषा की संरचना 4062 – समाज भाषाविज्ञान 4063 – भाषा–शिक्षण 4064 – शैलीविज्ञान			
	***(च) आधुनिक जनसंचार माध्यम** 4051 – संचार माध्यम : अवधारणा, स्वरूप और सिद्धांत 4052 – जनसंचार माध्यमों का विकास 4053 – समाचार निर्माण और प्रसारण 4054 – जनसंचार : अध्ययन–प्रविधियाँ			
	***(छ) अनुवाद अध्ययन** 4031– अनुवाद के सैद्धांतिक आयाम 4032– भाषा, कोश–विज्ञान, शब्दावली और अनुवाद 4033– अनुवाद के प्रकार्य 4034– अनुवाद–व्यवहार			
	***(ज) अस्मिता विमर्श और हिंदी साहित्य** 4091– अस्मिता : अवधारणा और सिद्धांत 4092– स्त्री–अस्मिता और हिंदी साहित्य 4093– दलित–अस्मिता और हिंदी साहित्य 4094– आदिवासी–अस्मिता और हिंदी साहित्य			
	***(झ) हिंदी का लोक–साहित्य** 4081 –'लोक' की अवधारणा और लोक साहित्य का स्वरूप 4082 –लोक–संस्कृति : विस्तार और अभिव्यक्ति के आयाम 4083– हिंदी के क्षेत्र, लोक शैलियाँ और लोक साहित्य के विविध आयाम 4084– लोक साहित्य और अनुसंधान के आयाम			
Total Credits for the Elective Course				**(Total 4X5= 20 Credits)**

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Open Elective Course)

*नोट : विद्यार्थी (क) और (ख) में से किसी 1 (एक) विकल्प का चयन करेगा।

सेमेस्टर (Semester)	मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Open Elective Course)			
	प्रश्नपत्रों के शीर्षक (Title of Papers)	प्रश्नपत्रों की संख्या (No. of papers)	क्रेडिट (Credits) (L+P)	कुल क्रेडिट (Total Credits)
I	-------------------	-----------	----------------	---------------------
II	*प्रश्नपत्र : 5002 (क) हिंदी सृजनात्मक लेखन **अथवा** (ख) प्रयोजनमूलक हिंदी	01	**4**	**4**
III	-------------------	---------------	--------------	---------------------
IV	*प्रश्नपत्र : 5004 (क) हिंदी भाषा–शिक्षण **अथवा** (ख) हिंदी सिनेमा और साहित्य	01	**4**	**4**
Credits for the Open Elective Course				**(Total :4X2= 8 Credits)**

Total Credits for the Course: (Core Course 70 Credit+ Elective Course 20 Credit+Open Elective Course 8 Credit = 98 Credits)

परीक्षा-योजना

– प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में लिखित परीक्षा होगी। परीक्षा की अवधि तीन घंटे की होगी। प्रत्येक प्रश्नपत्र के पूर्णांक 70 होंगे।

– आंतरिक मूल्यांकन प्रत्येक सेमेस्टर में हर प्रश्नपत्र के लिए होगा। इसके लिए प्रत्येक प्रश्नपत्र के पूर्णांक 30 होंगे।

– विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के नियमानुसार अंकों को सीजीपीए (CGPA) में परिवर्तित किया जाएगा।

सेमेस्टर–1

मूल पाठ्यक्रम (**Core Course**)

प्रश्नपत्र 101 – हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

प्रश्नपत्र 102 – आदिकालीन हिंदी काव्य

प्रश्नपत्र 103 – भक्तिकालीन हिंदी काव्य

प्रश्नपत्र 104 – हिंदी कथा–साहित्य

प्रश्नपत्र 105 – भारतीय काव्यशास्त्र

सेमेस्टर : I

प्रश्नपत्र–101 : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

Course Objective (2-3)
हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान
इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना

Course Learning Outcomes

इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी

हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

इकाई - 1 : इतिहास-दर्शन

- इतिहास और आलोचना, इतिहास और अनुसंधान
- साहित्येतिहास-दर्शन के समकालीन सिद्धांत
- साहित्येतिहास-लेखन की प्रमुख अवधारणाएँ : मध्ययुगीनता, पुनर्जागरण और आधुनिकता
- हिंदी साहित्य के इतिहासों का इतिहास
- काल-विभाजन और उसकी समस्याएँ

इकाई - 2 : आदिकाल

- नामकरण की समस्या, पृष्ठभूमि : विभिन्न परिस्थितियाँ
- रासोकाव्य-परंपरा, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- प्रमुख कवि (चंदबरदाई, जगनिक, अमीर खुसरो, विद्यापति)

इकाई - 3 : भक्तिकाल

- पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ
- प्रमुख एवं गौण कवि तथा उनका काव्य (कबीर, रविदास, दादू, सुंदरदास, कुतुबन, मंझन, जायसी, तुलसीदास, सूरदास, नंददास,)
- निर्गुण एवं सगुण काव्यधाराएँ : प्रमुख विशेषताएँ

इकाई - 4 : रीतिकाल

- नामकरण की समस्या
- पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ
- प्रमुख एवं गौण कवि तथा उनका काव्य (केशव, बिहारी, देव, मतिराम, घनानंद, बोधा, आलम, ठाकुर, गुरुगोविंद सिंह, रज्जब)
- रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्यधाराओं की विभेदक विशेषताएँ

प्रस्तावित पुस्तकें :

हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी
रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र
हिंदी साहित्य का इतिहास : संपादक डॉ. नगेन्द्र
साहित्य का इतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा
हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा

अन्य सहायक पुस्तकें -

साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पांडेय
मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारीप्रसाद द्विवेदी
हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1, 2) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिंदी साहित्य का इतिहास : पूरनचंद टंडन, विनीता कुमारी
अप्रभ्रंश साहित्य : हरिवंश कोछड़
आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : राममूर्ति त्रिपाठी
हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : रसाल सिंह

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 102 : आदिकालीन हिंदी काव्य

Course Objective (2-3)
हिंदी साहित्य के आदिकालीन इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के प्रारम्भिक युग का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी

इकाई 1: दोहाकोश : (सं.) राहुल सांकृत्यायन
षड्दर्शन खंडन-ब्राह्मण : दोहा 1, 2
करुणा सहित भावना : दोहा-17

चित्त : दोहा-24, 25

सहज, महासुख : दोहा-42, 43, 44

परमपद : 49

देह ही तीर्थ : 96

(कुल 10)

इकाई 2: गोरखबानी : (सं.) पीतांबरदत्त बड़थ्वाल

पद-1 से 20 तक

इकाई 3: पृथ्वीराज रासो : (सं.) माता प्रसाद गुप्त

कयमासवध (संपूर्ण)

इकाई 4: विद्यापति की पदावली : (सं.) रामवृक्ष बेनीपुरी

पद : 1, 2, 5, 10, 18, 23, 27, 29, 36, 42 (कुल 10 पद)

प्रस्तावित पुस्तकें :

हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी

अपभ्रंश साहित्य : हरिवंश कोछड़

नाथ संप्रदाय : हजारीप्रसाद द्विवेदी

हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग : नामवर सिंह

पृथ्वीराज रासो की भाषा : नामवर सिंह

अन्य सहायक पुस्तकें -

प्राकृत-अपभ्रंश साहित्य और उसका हिंदी पर प्रभाव : राम सिंह तोमर

सिद्ध-साहित्य : धर्मवीर भारती

अपभ्रंश भाषा और साहित्य : राजमणि शर्मा

विद्यापति : शिव प्रसाद सिंह

आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएँ : अनिल राय

गोरखनाथ और उनका युग : रांगेय राघव

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र – 103 : भक्तिकालीन हिंदी काव्य

Course Objective (2-3)

हिंदी साहित्य के भक्तिकालीन इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 : कबीर
कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
पद संख्या : 35, 108, 112, 123, 126, 134, 153, 168, 181, 206, 250 (कुल 11)
साखी संख्या : 103, 113, 139, 157, 190, 191, 199, 200, 201, 231, 237 (कुल 11)

इकाई – 2 : जायसी
जायसी-ग्रंथावली : रामचंद्र शुक्ल (सं.)
नागमती वियोग खंड

इकाई – 3 : सूरदास
भ्रमरगीतसार : रामचंद्र शुक्ल (सं.)
पद संख्या : 3, 4, 7, 9, 11, 16, 18, 21, 22, 24, 30, 34, 37, 42, 45, 52, 62, 75, 85, 100, 125, 133 (कुल 22)

इकाई – 4 : तुलसीदास
विनय पत्रिका : (सं.) वियोगी हरि
पद संख्या : 90, 101, 102, 105, 111, 112, 115, 116, 117, 119, 120, 121, 123, 124, 162, 167, 172, 174, 198, 201 (कुल 20)

प्रस्तावित पुस्तकें :
गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल
तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुंतल मेघ
लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी
तुलसी काव्य-मीमांसा : उदयभानु सिंह
गोसाई तुलसीदास : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
सूरदास : रामचंद्र शुक्ल
सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी
अन्य सहायक पुस्तकें -

महाकवि सूरदास : नंद दुलारे वाजपेयी

सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा

सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा

कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी

कबीर की विचारधारा : गोविंद त्रिगुणायत

कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी

त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल

जायसी : विजयदेव नारायण साही

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 104 : हिंदी कथा-साहित्य

Course Objective (2-3)

कथा-साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न लेखको और उनकी रचनाओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के कथा साहित्य का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख लेखको और उनकी रचनाओं की समझ विकसित होगी

(क) उपन्यास

इकाई - 1 : गोदान : प्रेमचंद

इकाई - 2 : मैला आँचल : फणीश्वर नाथ रेणु

(ख) कहानी

इकाई - 3

- उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- कफ़न : प्रेमचंद
- मधुआ : जयशंकर प्रसाद
- हीलीबोन की बत्तखें : अज्ञेय
- ज़िंदगी और जोंक : अमरकांत
- खोयी हुई दिशाएँ : कमलेश्वर
- यही सच है : मन्नू भंडारी

इकाई - 4

- चीफ़ की दावत : भीष्म साहनी
- तीसरी कसम : रेणु
- परिंदे : निर्मल वर्मा
- वापसी : उषा प्रियंवदा
- पिता : ज्ञानरंजन
- लालकिले का बाज : काशी नाथ सिंह
- कोशी का घटवार : शेखर जोशी

प्रस्तावित पुस्तकें :

प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन : नंददुलारे वाजपेयी

आज का हिंदी उपन्यास : इंद्रनाथ मदान

मैला आँचल की रचना-प्रक्रिया : देवेश ठाकुर

अन्य सहायक पुस्तकें -

आधुनिक हिंदी उपन्यास : सं. नरेंद्र मोहन

क्रांति का विचार और हिंदी उपन्यास : प्रेम सिंह

कहानी : नयी कहानी : नामवर सिंह

नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी

नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर

एक दुनिया समानांतर : राजेंद्र यादव

नयी कहानी : प्रकृति और पाठ : सुरेंद्र चौधरी

प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान : कमल किशोर गोयनका

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 105 : भारतीय काव्यशास्त्र

Course Objective (2-3)
भारतीय काव्यशास्त्र की समझ विकसित होगी
कृतियों के विश्लेषण हेतु भारतीय चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा

Course Learning Outcomes

भारतीय काव्यशास्त्र की जानकारी अतीत और वर्तमान की कृतियों के बीच आलोचनात्मक संबंध निर्माण करती है |
भारतीय चिंतन परंपरा की समझ विकसित होगी

इकाई - 1

- काव्य का स्वरूप, काव्य-लक्षण, काव्य के तत्व, काव्य सृजन की प्रक्रिया
- काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य की आत्मा

इकाई - 2 : रस सिद्धांत

- रसानुभूति की प्रक्रिया
- रसानुभूति का स्वरूप
- साधारणीकरण
- करुण रस का आस्वाद

इकाई - 3

- अलंकार-सिद्धांत एवं उसकी स्थापनाएँ , अलंकार के भेद-उपभेद
- रीति-सिद्धांत और उसकी स्थापनाएँ, रीति के भेद-उपभेद, काव्य गुण, काव्य दोष
- वक्रोक्ति सिद्धांत और उसकी स्थापनाएँ, वक्रोक्ति के भेद-उपभेद

इकाई - 4

- ध्वनि-सिद्धांत और उसकी स्थापनाएँ
  ध्वनि के भेद-उपभेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्रकाव्य
- औचित्य-सिद्धांत और उसकी स्थापनाएँ

प्रस्तावित पुस्तकें :

रस मीमांसा : रामचंद्र शुक्ल
भारतीय काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी
रीतिकाव्य की भूमिका : नगेंद्र

अन्य सहायक पुस्तकें -

रस सिद्धांत : नगेंद्र

भारतीय काव्यशास्त्र : हरीश चंद्र वर्मा

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास : सत्यदेव चौधरी एवं शांति स्वरूप गुप्त

भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज : राममूर्ति त्रिपाठी

हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास : भगीरथ मिश्र

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

सेमेस्टर–2

मूल पाठ्यक्रम (**Core Course**)

प्रश्नपत्र 201 – रीतिकालीन हिंदी काव्य

प्रश्नपत्र 202 – आधुनिक हिंदी काव्य–**I**

प्रश्नपत्र 203 – हिंदी–नाटक

प्रश्नपत्र 204 – सामान्य भाषाविज्ञान

सेमेस्टर : II

प्रश्नपत्र - 201 : रीतिकालीन हिंदी काव्य

Course Objective (2-3)

हिंदी साहित्य के रीतिकालीन इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के रीतिकाल का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी

इकाई - 1 : मतिराम : ललितललाम (छंद संख्या 1 से 30)
मतिराम ग्रंथावली ; संपादक : कृष्णबिहारी मिश्र, ब्रजकिशोर मिश्र
नागरीप्रचारणी सभा ; वाराणसी, प्रथम संस्करण, संवत् 2021

इकाई - 2 : बिहारी : बिहारी-सतसई : बिहारी-रत्नाकर, संपादक : श्री जगन्नाथदास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सन् 2005

दोहा संख्या : 1, 5, 7, 9, 10, 11, 15, 19, 20, 21, 22, 25, 28, 32, 38, 42, 45, 52, 55, 67, 71, 73, 78, 85, 91, 94, 99, 106, 121, 124, 127, 135, 140, 146, 151, 171, 188, 191, 192, 201, 203, 207, 295, 300, 317, 406, 428, 432, 588, 658
(कुल 50 दोहे)

इकाई - 3 : घनानंद : सुजान हित ; घनानंद ग्रंथावली, संपादक : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, बनारस

छंद संख्या : 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 21, 22, 24, 25, 26, 32, 36, 37, 38, 41, 43, 49, 50, 52, 57, 58, 62, 64, 66, 78, 90, (31 छंद)

इकाई - 4 : गुरु गोबिन्द सिंह: चण्डी चरित्र उक्ति विलास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ; 1979
छंद संख्या : 1 से 116 तक (प्रथम तीन अध्याय)

प्रस्तावित पुस्तकें :

मतिराम : कवि और आचार्य : महेंद्र कुमार
बिहारी सार्धशती : ओमप्रकाश
बिहारी : ओमप्रकाश
बिहारी की काव्य सृष्टि : जय प्रकाश
बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

घनानंद काव्य और आलोचना : किशोरी लाल

घनानंद के काव्य में अप्रस्तुत योजना : मनोहर लाल

घनानंद : लल्लन राय

गुरु गोबिन्द सिंह और उनकी हिंदी कविता : महीप सिंह

गुरु गोबिन्द सिंह के साहित्य में भारतीय संस्कृति : धर्मपाल मैनी

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 202 : आधुनिक हिंदी काव्य-I

Course Objective (2-3)

हिंदी साहित्य के आधुनिक इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के आधुनिक युग का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी

इकाई - 1

मैथिलीशरण गुप्त : साकेत
नवम् सर्ग

इकाई - 2

जयशंकर प्रसाद : कामायनी
चिंता, श्रद्धा और इड़ा सर्ग

इकाई - 3

निराला : राग-विराग : सं. रामविलास शर्मा
राम की शक्तिपूजा

इकाई - 4

मुक्तिबोध : चाँद का मुँह टेढ़ा है
अँधेरे में

प्रस्तावित पुस्तकें :

अतीत का हंस - प्रभाकर श्रोत्रिय
साकेत : एक अध्ययन - नगेन्द्र
मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत:सूत्र - कृष्णदत्त पालीवाल
त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत) - जानकील्लभ शास्त्री
छायावाद के आधार-स्तंभ - गंगाप्रसाद पाण्डेय
छायावाद - नामवर सिंह

अन्य सहायक पुस्तकें -

छायावादी कवियों का सौंदर्य-विधान - सूर्यप्रसाद दीक्षित

जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी

कामायनी : एक पुनर्विचार - मुक्तिबोध

कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ - नगेन्द्र

निराला की साहित्य साधना, भाग-2 - रामविलास शर्मा

कवि निराला - नंददुलारे वाजपेयी

निराला : आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह

निराला काव्य की छवियाँ - नंदकिशोर नवल

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

1.

प्रश्नपत्र - 203 : हिंदी नाटक

Course Objective (2-3)

हिंदी साहित्य के नाटक का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न नाटककारों और उनके नाटकों का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के नाटकों का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख नाटककारों और नाटकों की समझ विकसित होगी

इकाई - 1 : भारतेंदु : अंधेर नगरी

इकाई - 2 : जयशंकर प्रसाद : चंद्रगुप्त

इकाई - 3 : धर्मवीर भारती : अंधायुग

इकाई - 4 : मोहन राकेश : आधे-अधूरे

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास : दशरथ ओझा
2. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच : नेमिचंद्र जैन
3. हिंदी नाटक : समाजशास्त्रीय अध्ययन : सीताराम झा 'श्याम'
4. भारतेंदु हरिश्चंद्र : रामविलास शर्मा
5. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना : सत्येंद्र तनेजा
6. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता : प्रभाकर श्रोत्रिय

अन्य सहायक पुस्तकें -

7. प्रसाद के नाटक : देश और काल की बहुआयामिता : रमेश गौतम
8. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी
9. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि : मोहन राकेश
10. आज का हिंदी नाटक : प्रगति और प्रभाव : दशरथ ओझा
11. मोहन राकेश के सम्पूर्ण नाटक : नेमिचंद्र जैन
12. हिंदी नाटक : मिथक और यथार्थ : रमेश गौतम
13. हिंदी नाटक : आजकल : जयदेव तनेजा
14. भारतीय नाट्य साहित्य : नगेंद्र

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 204 : सामान्य भाषाविज्ञान

Course Objective (2-3)

भाषाविज्ञान की विशिष्ट समझ विकसित होगी
भाषा की विशेषताओं और उपांगों का विश्लेषणात्मक ज्ञान होगा

Course Learning Outcomes

भाषा और उसके उपांगों का ज्ञान

इकाई - 1 : भाषा और भाषाविज्ञान

- भाषा और भाषाविज्ञान की परिभाषा
- भाषा-व्यवस्था (लांग) और भाषा-व्यवहार (परोल),
- भाषा और संप्रेषण
- मानवेतर संप्रेषण और मानव-संप्रेषण
- भाषाविज्ञान की अध्ययन पद्धतियाँ

इकाई -2 : स्वनविज्ञान और स्वनिमविज्ञान

- स्वनों का वर्गीकरण
- स्वन-परिवर्तन के कारण
- स्वनिम के भेद : खंडीय एवं खंडेतर
- स्वन, स्वनिम और सहस्वन
- स्वनिम और सहस्वन का निर्धारण

इकाई - 3 : रूपविज्ञान एवं रूपिमविज्ञान

- रूप, रूपिम और सहरूप
- रूपिमविज्ञान
- शब्द और पद
- अर्थतत्व एवं संबंध तत्व
- संबंधतत्व के प्रकार

इकाई - 4 : वाक्यविज्ञान, प्रोक्ति एवं अर्थविज्ञान

- वाक्य-रचना के आधार
- वाक्य के प्रकार
- वाक्य के निकटतम अवयव
- प्रेक्ति का स्वरूप, प्रोक्ति-विश्लेषण
- शब्द और अर्थ का संबंध
- अर्थ-प्रतीति के साधन
- अर्थ-परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

प्रस्तावित पुस्तकें :

सामान्य भाषाविज्ञान : बाबूराम सक्सेना

भाषाविज्ञान : भोलानाथ तिवारी

भाषाविज्ञान की भूमिका : देवेन्द्र नाथ शर्मा

आधुनिक भाषाविज्ञान : राजमणि शर्मा

भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदयनारायण तिवारी

भाषा और समाज : रामविलास शर्मा

अन्य सहायक पुस्तकें -

भाषा : ब्लूमफील्ड (अनुवाद : विश्वनाथ प्रसाद)

हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा

सामान्य भाषाविज्ञान : वैश्ना नारंग

ध्वनिविज्ञान : गोलोक बिहारी ढल

अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

सेमेस्टर–3

मूल पाठ्यक्रम (**Core Course**)

प्रश्नपत्र 301 – आधुनिक हिंदी काव्य–**II**

प्रश्नपत्र 302 – हिंदी–आलोचना

प्रश्नपत्र 303 – हिंदी के अन्य गद्य–रूप

प्रश्नपत्र 304 – हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

प्रश्नपत्र 305 – पाश्चात्य काव्यशास्त्र

सेमेस्टर-III

प्रश्नपत्र - 301 : आधुनिक हिंदी काव्य-II

Course Objective (2-3)

हिंदी साहित्य के आधुनिक इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के आधुनिक युग का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी

इकाई - 1

अज्ञेय : आँग के पार द्वार
असाध्यवीणा

इकाई - 2

शमशेर : प्रतिनिधि कविताएँ (सं.) नामवर सिंह

- हार-हार समझा मैं
- चुका भी हूँ मैं नहीं
- जीवन की कमान
- सींग और नाखून
- राग

इकाई - 3

रघुवीर सहाय : आत्महत्या के विरुद्ध

- नेता क्षमा करें
- अपने आप और बेकार
- लोकतंत्रीय मृत्यु
- नयी हँसी
- आत्महत्या के विरुद्ध

इकाई - 4

नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ (सं.) नामवर सिंह

- प्रतिबद्ध हूँ
- बादल को घिरते देखा है
- बहुत दिनों के बाद
- प्रेत का बयान
- अकाल और उसके बाद

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. नयी कविता और अस्तित्वाद - रामविलास शर्मा
2. कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह
3. कविता की जमीन और जमीन की कविता - नामवर सिंह
4. आधुनिक हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. समकालीन कविता का यथार्थ - परमानंद श्रीवास्तव

अन्य सहायक पुस्तकें -

6. समकालीन हिंदी कविता - रवींद्र भ्रमर
7. आधुनिक कविता-यात्रा - रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन - केदार शर्मा
9. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा - नंदकिशोर आचार्य
10. रघुवीर सहाय की कविता - सुरेश शर्मा
11. कवियों का कवि शमशेर : रंजना अरगड़े

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 302 : हिंदी आलोचना

Course Objective (2-3)

हिंदी साहित्य की आलोचना का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न आलोचकों और उनकी आलोचना का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य में आलोचनाओं का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख आलोचक और आलोचनात्मक कृतियों की समझ विकसित होगी

इकाई-1 : हिंदी आलेचना की पृष्ठभूमि : भारतेंदु और द्विवेदीयुगीन आलोचना

इकाई-2 : रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी और डॉ. नगेन्द्र की आलोचना-दृष्टि

इकाई-3 : रामविलास शर्मा और नामवर सिंह की आलोचना-दृष्टि

इकाई-4 : मुक्तिबोध, अज्ञेय और विजयदेव नारायण साही की आलोचना-दृष्टि

प्रस्तावित पुस्तकें :
हिंदी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार : कृष्णदत्त पालीवाल
हिंदी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल
आलोचक और आलोचना : बच्चन सिंह
आलोचना के प्रगतिशील आयाम : शिवकुमार मिश्र
अन्य सहायक पुस्तकें -
आचार्य रामचंद शुक्ल और हिंदी आलोचना : रामविलास शर्मा
हिंदी समीक्षा : स्रोत एवं सूत्रधार : सत्यदेव मिश्र
आलोचना : प्रकृति और परिवेश : तारकनाथ बाली
दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 303 : हिंदी के अन्य गद्य-रूप

Course Objective (2-3)

हिंदी साहित्य में अन्य गद्य विधाओं के इतिहास का विश्लेषण
विभिन्न लेखकों और उनकी कृतियों का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के गद्य का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख लेखकों और उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी

इकाई - 1 : निबंध

- बालकृष्ण भट्ट : आत्मनिर्भरता
- रामचंद्र शुक्ल : लोकमंगल की साधनावस्था
- हजारीप्रसाद द्विवेदी : अशोक के फूल

इकाई - 2 : आत्मकथा एवं जीवनी

- ओम प्रकाश वाल्मीकि : जूठन
- विष्णु प्रभाकर : आवारा मसीहा

इकाई - 3 : रेखाचित्र एवं संस्मरण

- महादेवी वर्मा : स्मृति की रेखाएँ
- जगदीशचंद्र माथुर : जिन्होंने जीना जाना

इकाई - 4 : यात्रावृत्तांत एवं पत्र साहित्य

- यात्रावृत्तांत : अज्ञेय : एक बूँद सहसा उछली
- पत्र साहित्य : मुक्तिबोध के पत्र नेमिचंद्र जैन को

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा
3. निराला की साहित्य-साधना (भाग 1 व 2) : रामविलास शर्मा
4. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
5. कवि मन : अज्ञेय
6. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा : नंदकिशोर आचार्य

अन्य सहायक पुस्तकें -

7. साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध : महादेवी वर्मा
8. चिंतामणि (भाग 1 व 2) : रामचंद्र शुक्ल

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 304 : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Course Objective (2-3)
हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
आधुनिक इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और आधुनिक युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना

Course Learning Outcomes

इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी

हिंदी साहित्य के आधुनिक युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

इकाई - 1

आधुनिक काल की पृष्ठभूमि : सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक (1857 के स्वाधीनता संग्राम से 1947 तक का राजनीतिक इतिहास, नवजागरण)

इकाई - 2

- भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
- द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
- छायावाद : प्रमुख रचनाकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

इकाई - 3

- प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और समकालीन कविता

इकाई - 4

- निबंध, आलोचना, नाटक : उद्भव और विकास
- उपन्यास, कहानी, पत्रकारिता : उद्भव और विकास

प्रस्तावित पुस्तकें :

हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र
आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : बच्चन सिंह
आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

अन्य सहायक पुस्तकें -

साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
हिंदी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

हिंदी काव्य का इतिहास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास : पूरनचंद टण्डन एवं विनीता कुमारी
हिंदी साहित्येतिहास की भूमिका (भाग-3) : सूर्यप्रसाद दीक्षित
हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 305 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Objective (2-3)
पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित होगी
कृतियों के विश्लेषण हेतु पाश्चात्य चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा

Course Learning Outcomes

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ भाषा, कला की आवश्यकता और जीवन के बीच आलोचनात्मक संबंध निर्माण करती है |
पाश्चात्य चिंतन परंपरा की समझ विकसित होगी

इकाई-1 :

- प्लेटो : काव्य सिद्धांत
- अरस्तू : अनुकरण और विरेचन सिद्धांत, त्रासदी विवेचन
- लोंजाइनस : उदात्त-संबंधी विचार

इकाई-2 :

- कॉलरिज : कविता और काव्यभाषा, कल्पना-सिद्धांत
- जार्ज लूकाच : यथार्थ और साहित्य का संबंध, आलोचनात्मक यथार्थवाद
- मैथ्यू आर्नल्ड: कविता और जीवन, जीवन और समाज
- टी.एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा का संबंध, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ सह-संबंध

इकाई-3 :

- अंतोनियो ग्राम्शी : आधार और अधिरचना का संबंध, वर्चस्व का सिद्धांत
- आई.ए.रिर्चड्स : मूल्य, संप्रेषण तथा व्यावहारिक समीक्षा-सिद्धांत
- एफ.आर.लीविस : साहित्य और नैतिक बोध

इकाई-4 :

- शास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद

प्रस्तावित पुस्तकें :

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा
नई समीक्षा : नये संदर्भ : डॉ. नगेन्द्र
काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा : निर्मला जैन

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृत्तियाँ : राजनाथ

कॉलरिज : आलोचना-सिद्धांत : कृष्णदत्त शर्मा

संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र : गोपीचंद नारंग

ंअन्य सहायक पुस्तकें -

पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : तारकनाथ बाली

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा : सावित्री सिन्हा

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास : सत्यदेव चौधरी एवं शांति स्वरूप गुप्त

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा : (संपादक) नगेन्द्र

उदात्त के विषय में : निर्मला जैन

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

सेमेस्टर–4

ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Course)

***नोट : विद्यार्थी (क), (ख), (ग), (घ), (च), (छ), (ज), (झ) में से किसी एक विकल्प का चयन करेगा**

*(क) मध्यकालीन हिंदी साहित्य

4041 – मध्यकालीन हिंदी साहित्य : अवधारणा और स्वरूप

4042 – पूर्व मध्यकालीन (भक्ति) काव्य

4043 – उत्तर मध्यकालीन (शास्त्रीय) काव्य

4044 – मध्यकालीन नीति, भक्ति, प्रेम एवं संत काव्य

*(ख) आधुनिक हिंदी साहित्य

4071 – आधुनिकता की यात्रा

4072 – आधुनिक हिंदी साहित्य की विशेषताएँ

4073 – आधुनिक भारतीय साहित्य का संदर्भ

4074 – आधुनिक विश्व साहित्य (हिंदी में अनूदित)

*(ग) नाटक एवं रंगमंच

4011 – रंगमंच : सिद्धांत और इतिहास

4012 – रंगमंच : पाठ और प्रदर्शन

4013 – भारतीय भाषाओं का रंगमंच (रचनाओं के माध्यम से)

4014 – विशेष अध्ययन : हिंदी नाटक का कोई एक युग

*(घ) भाषाविज्ञान

4061 – हिंदी भाषा की संरचना

4062 – समाज भाषाविज्ञान

4063 – भाषा–शिक्षण

4064 – शैलीविज्ञान

*(च) आधुनिक जनसंचार माध्यम

4051 – संचार माध्यम : अवधारणा, स्वरूप और सिद्धांत

4052 – जनसंचार माध्यमों का विकास

4053 – समाचार निर्माण और प्रसारण

4054 – जनसंचार : अध्ययन–प्रविधियाँ

*(छ) अनुवाद अध्ययन

4031– अनुवाद के सैद्धांतिक आयाम

4032– भाषा, कोश–विज्ञान, शब्दावली और अनुवाद

4033– अनुवाद के प्रकार्य

4034– अनुवाद–व्यवहार

*(ज) अस्मिता विमर्श और हिंदी साहित्य

4091 – अस्मिता : अवधारणा और सिद्धांत

4092 – स्त्री–अस्मिता और हिंदी साहित्य

4093 – दलित–अस्मिता और हिंदी साहित्य

4094 – आदिवासी–अस्मिता और हिंदी साहित्य

*(झ) हिंदी का लोक–साहित्य

4081 – 'लोक' की अवधारणा और लोक–साहित्य का स्वरूप

4082 – लोक–संस्कृति : विस्तार और अभिव्यक्ति के आयाम

4083 – हिंदी के क्षेत्र, लोक–शैलियाँ और लोक–साहित्य के विविध आयाम

4084 – लोक–साहित्य और अनुसंधान के आयाम

(क) विकल्प : मध्यकालीन हिंदी साहित्य

प्रश्नपत्र-4041 : मध्यकालीन हिंदी साहित्य : अवधारणा और स्वरूप

हिंदी साहित्य के मध्यकालीन इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
मध्यकालीन साहित्य से संबन्धित अवधारणाओं और उनके प्रति विभिन्न मतों का परिचय देना

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान
इतिहास, आलोचना और विचारकों की समझ विकसित होगी

इकाई - 1

- मध्यकालीन हिंदी साहित्य : अभिप्राय, पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियाँ
- काल सीमा, नामरकण का औचित्य
- मध्यकालीन हिंदी साहित्य विषयक चिंतन एवं दृष्टियाँ : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र

इकाई - 2

- मध्यकालीन दर्शनिक चेतना एवं विविध दर्शन
- मध्यकालीन सौन्दर्य चेतना और काव्य
- मध्यकालीन लोक-संस्कृति और काव्य
- मध्यकालीन भक्ति काव्य का स्वरूप एवं भक्ति आंदोलन

इकाई - 3

- मध्यकालीन काव्यशास्त्रीय चिंतन की परंपरा और प्रदेय
- मध्यकालीन हिंदी काव्य में राष्ट्रीयता
- मध्यकालीन नीति काव्य परंपरा और काव्य

इकाई - 4

- मध्यकालीन हिंदी साहित्य का काव्य-शिल्प
- मध्यकालीन काव्य भाषाएँ-ब्रजभाषा, अवधी भाषा
- मध्यकालीन कविता और काव्य-रूप : प्रबंन्ध, मुक्तक, प्रगीत

प्रस्तावित पुस्तकें :

मध्ययुगीन काव्य : नया मूल्यांकन : जयभगवान गोपाल
मध्यकालीन साहित्य विमर्श : सं. सुधा सिंह
हिंदी सगुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका : रामनरेश वर्मा
मध्यकालीन हिंदी साहित्य : संवेदना, शास्त्र और समसामायिकता : सं. पूरनचंद टण्डन एवं सुनील तिवारी
मध्यकालीन संत साहित्य में सामाजिक समरसता : विनीता कुमारी

मध्यकालीन प्रेम-साधना : परशुराम चतुर्वेदी

अन्य सहायक पुस्तकें -

निर्गुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका : रामसजन पाण्डेय

ब्रजभाषा के कृष्ण-काव्य में माधुर्य भक्ति : रूपनारायण पण्डेय

हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल : रीतिकाल : महेन्द्र कुमार

रीतिकलीन रीतिकवियों का काव्य-शिल्प : महेन्द्र कुमार

रीतिकवियों की मौलिक देन : किशोरी लाल

सौंदर्य विमर्श : पूरनचंद टंडन

रीतिकालीन रीतिमुक्त काव्य : पूरनचंद टंडन

रीतिकालीन रीतिइतर काव्य : पूरनचंद टंडन

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र-4042 : पूर्वमध्यकालीन (भक्ति) काव्य

हिंदी साहित्य के पूर्व-मध्यकालीन इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के पूर्वमध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी

इकाई - 1

- तुलसी - गीता प्रेस गोरखपुर, अयोध्याकाण्ड (1 से 50 छंद)

इकाई - 2

- सूरदास, सूरसागर (विनय और भक्ति) (1 से 30 छंद)

इकाई - 3

- मीरा - मीराँबाई की पदावली : परशुराम चतुर्वेदी
  प्रथम खंड-पद संख्या- 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 11, 14, 16, 17, 19, 20, 22, 23, 36, 39, 71, 72, 73, 76, 81, 82, 90, 91, 93, 99, 100, 101, 102 (कुल 30)

- रहीम - रहीम दोहावली, दोहा संख्या 1 से 50, रहीम ग्रंथावली, संपादक, विद्या निवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली

प्रस्तावित पुस्तकें :

गोस्वामी तुलसीदास : रामजी तिवारी
तुलसी नए संदर्भ में : रामनरेश मिश्र
गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल
गोसाई तुसीदास : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

महाकवि सूर और भ्रमरगीत : शंकरदेव अवतरे
भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
महाकवि सूरदास : सं. बलदेव वंशी
सूरसागर-सेतु : प्रभु दयाल मीतल
भ्रमरगीत का काव्य वैभव : मनमोहन गौतम

मीरा का काव्य : भगवानदास तिवारी
मीरा का पुनर्मूल्यांकन : सं. सुरेश गौतम
मीराँबाई की पदावली : सं. परशुराम चतुर्वेदी

रहीम ग्रंथावली : सं. विद्यानिवास मिश्र

रहीम : विजयेन्द्र स्नातक

अब्दुर्रहीम खानाखाना : हरीश कुमार सेठी

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र-4043 : उत्तर मध्यकालीन (शास्त्रीय) काव्य

हिंदी साहित्य के रीतिकालीन इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के रीतिकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी

इकाई - 1

केशव : कविप्रिया (केशव ग्रंथावली)
प्रभाव संख्या - 3 (1 से 30)
प्रभाव संख्या - 5 (1 से 20)

इकाई - 2

कवि देव : रस विलास (देव ग्रंथावली)
द्वितीय विलास 1 से 20
तृतीय विलास 1 से 20

इकाई - 3

कवि पद्‌माकर : जगद्‌विनोद (पद्‌माकर ग्रंथावली)
छंद संख्या 1 से 40

इकाई - 4

कवि भूषण : शिवाबावनी (संपूर्ण) (भूषण ग्रंथावली)
छंद संख्या 1 से 50

प्रस्तावित पुस्तकें :

केशवदास : सं. विजयपाल सिंह
केशवदास : जगदीश गुप्त
कविप्रिया प्रकाश : डॉ. ओमप्रकाश
केशव की काव्य-धारा : शिवनारायाण शुक्ल
केशव-ग्रंथावली (खंड-1, 2, 3) : सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
केशव और उनका साहित्य : डॉ. विजयपाल सिंह

देव ग्रंथावली : लक्ष्मीधर मालवीय
देव और उनकी कविता : डॉ. नगेन्द्र

पद्‌माकर कृत जगद्‌विनोद : सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

पद्माकर ग्रंथावली : सं. विश्वविनाथ प्रसाद मिश्र

अन्य सहायक पुस्तकें -

संक्षिप्त भूषण : डॉ. भगवानदास तिवारी
हिंदी वीरकाव्य : टीकमसिंह तोमर

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र-4044 : मध्यकालीन नीति, भक्ति, प्रेम एवं संत काव्य

हिंदी साहित्य के मध्यकालीन इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न अन्य धाराओं के कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान
अन्य धाराओं के कवियों व उनकी कविताओं की समझ विकसित होगी

इकाई - 1
कवि वृंद - नीति सतसई (वृंद ग्रंथावली)
दोहा संख्या-1 से 50

इकाई - 2
कवि सोमनाथ - शशिनाथ विनोद (शिवजी कौ ब्याहुलो) (सोमनाथ ग्रंथावली)
प्रथम उल्लास : 37 छंद (पार्वती जन्म)
द्वितीय उल्लास : 103 छंद (भगवान शंकर संबंध)
पंचम उल्लास - 69 छंद (भवानी शंकर विवाह)

इकाई - 3
कवि बोधा - इश्कनामा, बोधा ग्रंथावली : सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
छंद संख्या 1 से 30

इकाई - 4
कवि रज्जब - रज्जब-वाणी : सं. बृजलाल वर्मा
गुरुदेव को अंग - 8 छंद
सबद का अंग - 5 छंद
पीव पिछान का अंग- 3 छंद
विरह का अंग - 5 छंद (कुल 21 पद)

प्रस्तावित पुस्तकें :

वृंद ग्रंथावली : जनार्दन राव चेलेर
वृंद और उनका काव्य, जनार्दन राव चेलेर

सोमनाथ व्यक्तित्व और कृतित्व : पूरनचंद टण्डन
सोमनाथ ग्रंथावली (खंड-एक, दो, तीन) : सं. सुधाकर पांडेय
सोमनाथ-रत्नावली : सं. ओंकारनाथ पांडेय

बोधा : गीता शर्मा

संत रज्जब अली : वाणी और विचार : रमेशचंद्र मिश्र
रज्जब बानी : सं. ब्रजलाल वर्मा
संत काव्य संग्रह : सं. परशुराम चुतुर्वेदी

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

(ख) <u>विकल्प : आधुनिक हिंदी साहित्य</u>

प्रश्नपत्र - 4071 : - आधुनिकता की यात्रा

हिंदी साहित्य के आधुनिक इतिहास और अवधारणाओं का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के आधुनिक युग का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी

इकाई - 1

- आधुनिक और आधुनिकता
- पुनर्जागरण की अवधारणा
- हिंदी नवजागरण और उसकी समस्याएँ
- निर्धारित पाठ : नीलदेवी : भारतेंदु

इकाई - 2

- औद्योगिक क्रांति
- पूँजीवाद का विकास
- लोकतंत्र का विकास
- संयुक्त परिवार का ह्रास और 'व्यक्ति' का उदय
- निर्धारित पाठ : पल्लव : पंत (व्याख्या के लिए)

- उच्छ्वास
- आँसू
- अनंग
- स्वप्न
- छायापरिवर्तन

इकाई - 3

- आधुनिक शिक्षा व्यवस्था का विकास

- नगरीकरण
- समाज और व्यक्ति
- आधुनिकीकरण और आधुनिकतावाद
- निर्धारित पाठ : शेखर : एक जीवनी : अज्ञेय

इकाई - 4

- मोहभंग का दौर
- सांस्कृतिक पूँजी
- सांस्कृतिक संस्थान
- सांस्कृतिक उत्पाद के रूप में कला
- निर्धारित पाठ - रागदरबारी : श्रीलाल शुक्ल

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. The subject of Modernity - Anthony J. Casscardi
2. The Constitution of Society : Anthony Giddens
3. The Cousequences of Modernity Anthony Giddens
4. The Class Struggle Urban Contradictions : M. Castells
5. The City & Grassroots : M. Castelles.
6. आधुनिकता और आधुनिकीकरण -- रमेश कुंतल मेघ

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 4072 : आधुनिक हिंदी साहित्य की विशेषताएँ

हिंदी साहित्य के आधुनिक इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न कवियों और उनके युग का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख कवियों व उनके युग की समझ विकसित होगी

इकाई - 1

- औपनिवेशिक दौर और हिंदी भाषा जनक्षेत्र
- फोर्ट विलियम कॉलेज
- नागरी लिपि और हिंदी आंदोलन
- हिंदी खड़ी बोली की कविता का विकास

इकाई - 2

- भारतेंदु युग : पुराने और नए भावबोध का द्वन्द्व
- द्विवेदी युग : ' सरस्वती' और साहित्य का ज्ञानकांड, सुधारवाद, राष्ट्रवाद और प्राच्यवाद का प्रभाव
- छायावाद : स्वच्छंदता और यथार्थ का द्वन्द्व
- प्रेमचंद युग : आदर्शवाद और यथार्थवाद का द्वन्द्व

इकाई - 3

- प्रगतिशील आंदोलन
- प्रगतिवादी कविता
- नई कविता में व्यक्ति स्वातंत्र्य और प्रगति का द्वंद्व
- एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध

इकाई - 4

- नई कविता पर 'नई समीक्षा' और मार्क्सवाद का प्रभाव
- नई कविता का मूल्यांकन
- कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह

प्रस्तावित पुस्तकें :

रस्साकशी : वीरभारत तलवार

महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण – रामविलास शर्मा

भारतेंदु और उनका युग : रामविलास शर्मा

भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – नगेन्द्र

भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा : रामविलास शर्मा

प्रेमचंद अध्ययन की दिशाएँ: **कमल किशोर गोयनका**

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 4073 : आधुनिक भारतीय साहित्य का संदर्भ

हिंदी साहित्य की आधुनिकता का विश्लेषण
विभिन्न लेखकों और उनकी रचनाओं का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के आधुनिक युग का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख लेखकों की समझ विकसित होगी

इकाई 1 : गोरा - रवीन्द्रनाथ टैगोर

इकाई 2 : संस्कार - यू.आर. अनंतमूर्ति

इकाई 3 : घासीराम कोतवाल - विजय तेंडुलकर

इकाई 4 : प्रतिनिधि कविताएँ - फ़ैज़ अहमद फ़ैज़

नज़्में :

1. मुझसे पहली-सी मुहब्बत मेरी महबूब न
2. रकीब से
3. बोल
4. मौजूं-ए-सुखन

शाम-ए-शहर-याराँ :

1. गीत : चलो फिर से मुस्कराएँ
2. ढाका से वापसी पर

नक्श-ए-फरियादी :

1. तुम क्या गए के : रूठ गए दिन बहार के
2. आपसे दिल लगा के देख लिया
3. मगर दिल है के : उसकी रवाना वीरानी नहीं जाती

ज़िंदाँनामा :

1. दर्द का चाँद बुझ गया, हिज की रात ढल गयी
2. चले भी आओ के, गुलशन का कारोबार चले

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास : डॉ. नगेन्द्र

2. समकालीन भारतीय पत्रिका (साहित्य अकादमी की फाइलें)
3. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 4074 : आधुनिक विश्व-साहित्य (हिंदी में अनूदित)

विश्व साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न लेखकों का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के आधुनिक युग का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख लेखकों की समझ विकसित होगी

इकाई 1 : न्यायप्रिय : अलबेयर कामू

इकाई 2 : चेखव की कहानियाँ : पीपुल्स पब्लिकेशन हाउस

इकाई 3 : खुला घर : चेस्लाव मिलोश की कविताएँ

इकाई 4 : एकांत के सौ वर्ष : मारक्वेज़

प्रस्तावित पुस्तकें :
उपन्यास और लोकतंत्र : मैनेजर पांडेय
उपन्यास की संरचना : गोपाल राय
पोलिश कवि चेस्लाव मिलोश : कविताएँ : सं. अशोक वाजपेयी, रेनाता चेक्लास्का
कोई आवाज़ गुम नहीं होती : देवेंद्र इस्सर
अन्य सहायक पुस्तकें -
Albert Camus : From Absurd to Revolt : John Foley
Magic (al) Realism : Maggie Ann Bowers

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

(ग) विकल्प : नाटक एवं रंगमंच

प्रश्नपत्र - 4011 : रंगमंच : सिद्धांत और इतिहास

Course Objective (2-3)

रंगमंच का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना (भारतीय, पाश्चात्य और लोक-सांस्कृतिक)
विभिन्न नाटककारों और उनके नाटकों का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के नाटकों का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख नाटककारों और नाटकों की समझ विकसित होगी

इकाई 1 : संस्कृत और पारंपरिक रंगमंच का स्वरूप, प्रमुख पारंपरिक नाट्य-रूप : रामलीला, रास, स्वांग, नौटंकी, ख्याल आदि

इकाई 2 : भरत, स्तानस्लॉवस्की, बर्तोल्त ब्रेख्त के अभिनय-सिद्धांत

इकाई 3 : भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, मोहन राकेश का रंगमंच-संबंधी चिंतन

इकाई 4 : हिंदी रंगमंच का इतिहास व्यावसायिक (पारसी थियेटर), अव्यावसायिक, (पृथ्वी थियेटर, इप्टा) पेशेवर, शौकिया, आजादी के बाद का रंगमंच, नुक्कड़ नाटक

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. नाट्यशास्त्र : राधावल्लभ त्रिपाठी
2. नाट्यशास्त्र : रेवा प्रसाद द्विवेदी
3. रंगदर्शन : नेमिचंद जैन
4. पारंपरिक भारतीय रंगमंच : कपिला वात्स्यायन
5. परंपराशील नाट्य : जगदीशचंद्र माथुर

अन्य सहायक पुस्तकें -

6. पारसी हिंदी रंगमंच : लक्ष्मीनारायण लाल
7. नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक : हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. ब्रेख्त और हिंदी नाटक : चंदन कुमार
9. रंगमंच और नाटक की भूमिका : लक्ष्मीनारायण लाल
10. स्तानिस्लॉवस्की : अभिनेता की तैयारी : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
11. हिंदी नाटक और रंगमंच : ब्रेख्त का प्रभाव : सुरेश वशिष्ठ

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र – 4012 : रंगमंच : पाठ और प्रदर्शन

Course Objective (2-3)

रंगमंच का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना (भारतीय, पाश्चात्य और लोक-सांस्कृतिक)
विभिन्न नाटककारों, निर्देशकों के विचार और रंगकर्म का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के नाटकों का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख नाटककारों, निर्देशकों का मत और रंगकर्म का व्यावहारिक ज्ञान

इकाई 1 : प्रस्तुति प्रक्रिया का अध्ययन, प्रस्तुति आलेख और मूल पाठ में अंतर

इकाई 2 : नाटक की व्याख्या, नाट्य प्रदर्शन के स्वरूप और प्रदर्शन शैली का निर्धारण

इकाई 3 : निर्देशन, अभिनय, पार्श्वकर्म , रंगसंगीत

इकाई 4 : पाठ और प्रदर्शन की दृष्टि से 'मेघदूतम्' का विशेष अध्ययन

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. भारत की हिंदी नाट्य संस्थाएँ एवं नाट्यशालाएँ : विश्वनाथ शर्मा
2. रंगमंच : सर्वदानंद
3. हिंदी रंगमंच और पंडित नारायण प्रसाद 'बेताब' : विद्यावती लक्ष्मण राव
4. रंगकर्म : वीरेंद्र नारायण
5. नाट्य प्रस्तुति : राजहंस
6. रंग–स्थापत्य कुछ टिप्पणियाँ : एच.वी. शर्मा
7. भरत और भारतीय नाट्यशास्त्र : सुरेंद्र प्रसाद दीक्षित

अन्य सहायक पुस्तकें -

8. पारसी थिएटर : उद्भव और विकास : सोमनाथ गुप्त
9. रंगमंच : बलवंत गार्गी
10. रंगदर्शन : नेमिचंद जैन
11. रंगमंच : देखना और सुनना : लक्ष्मीनारायण लाल
12. What is Theatre ? : Eric Bentley

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र : 4013 : भारतीय भाषाओं का रंगमंच (रचनाओं के माध्यम से)

Course Objective (2-3)

रंगमंच का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना (भारतीय)
विभिन्न नाटककारों और उनके नाटकों का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

भारतीय नाटकों का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख नाटककारों और नाटकों की समझ विकसित होगी

<u>पाठ</u>

इकाई 1 : तुगलक – गिरीश कर्नाड

इकाई 2 : स्कंदगुप्त – जयशंकर प्रसाद

इकाई 3 : पगला घोड़ा – बादल सरकार

इकाई 4 : खामोश! अदालत जारी है – विजय तेंदुलकर

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. भारतीय रंगकोष : सं. प्रतिभा अग्रवाल
2. रंगयात्रा : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा प्रकाशित
3. रंग प्रसंग पत्रिका : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा नियमित प्रकाशन
4. आज के रंग नाटक : इब्राहिम अल्काजी
5. भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच : सीताराम चतुर्वेदी

अन्य सहायक पुस्तकें -

6. नई रंग चेतना और हिंदी नाटककार : जयदेव तनेजा
7. नाट्यशास्त्र विश्वकोष : राधावल्लभ त्रिपाठी
8. हे सामाजिक : सुरेश अवस्थी
9. हिंदी रंगमंच और ऐतिहासिक नाटक : माधुरी सुबोध

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र : 4014 : विशेष अध्ययन : हिंदी नाटक का कोई एक युग
(विद्यार्थी निम्नलिखित में से किसी एक युग का चयन करेंगे)

Course Objective (2-3)

रंगमंच का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना (भारतीय, पाश्चात्य और लोक-सांस्कृतिक)
विभिन्न नाटककारों और उनके नाटकों का विशिष्ट ज्ञान

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य के नाटकों का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख नाटककारों और नाटकों की समझ विकसित होगी

(क) भारतेंदु युग

इकाई 1 : विषस्य विषमौषधम् : भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई 2 : जैसा काम वैसा परिणाम : बालकृष्ण भट्ट

इकाई 3 : देसी घी और चर्बी में व्यापार : अंबिकादत्त व्यास

इकाई 4 : इंदरसभा : आगाहश्र कश्मीरी

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र : रामविलास शर्मा
2. नाटककार भारतंदु की रंग परिकल्पना : सत्येंद्र तनेजा
3. भारतेंदु की रंग दृष्टि : सेवाराम त्रिपाठी
4. हिंदी नवजागरण और राधाचरण गोस्वामी : कर्मेंदु शिशिर
5. हिंदी नाटक : आजकल : जयदेव तनेजा
6. भट्ट जी की यादें : ब्रजमोहन व्यास
7. हिंदी नाटकों की रंग मीमांसा : कुँवर चंद्र प्रकाश
8. बोध के विविध रंग : कुसुमलता मलिक
9. Teaching Learning Process
10.
11. 1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
12. 4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
13. 7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
14. 10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
15. 13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

16. Assessment Methods

17. टेस्ट, असाइनमेंट

(ख) प्रसाद युग

इकाई 1 : अजातशत्रु : जयशंकर प्रसाद

इकाई 2 : सेनापति ऊदल : वृंदावनलाल वर्मा

इकाई 3 : उत्सर्ग : चतुरसेन शास्त्री

इकाई 4 : प्रकाश : सेठ गोविंददास

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता : प्रभाकर श्रोत्रिय
2. आज का हिंदी नाटक : प्रगति और प्रभाव
3. भारतीय नाट्य साहित्य : नगेंद्र
4. हिंदी नाटक : आजकल : जयदेव तनेजा
5. काव्य और कला तथा अन्य निबंध : जयशंकर प्रसाद
6. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास : दशरथ ओझा
7. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिता : प्रभाकर श्रोत्रिय
8. आधुनिक हिंदी नाटक रचना और रंगकर्म : नेमिचंद्र जैन
9. रंग दस्तावेज : महेश आनंद

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

(ग) प्रसादोत्तर युग

इकाई 1 : शारदीया : जगदीशचंद्र माथुर

इकाई 2 : रोशनी एक नदी है : लक्ष्मीकांत वर्मा

इकाई 3 : कोमल गांधार : शंकर शेष

इकाई 4 : अलग-अलग रास्ते : उपेंद्रनाथ अश्क

प्रस्तावित पुस्तकें :

नाट्यालोचन के सिद्धांत : सिद्धनाथ कुमार

रंगमंच नया परिदृश्य : रीतारानी पालीवाल

रंगमंच : कला और दृष्टि : गोविंद चातक

स्वातंत्र्योत्तर पारंपरिक रंगप्रयोग : कुसुमलता मलिक

भारतीय नाट्य साहित्य : नगेंद्र

अन्य सहायक पुस्तकें -

हिंदी नाटक : आजकल : जयदेव तनेजा

बोध के विविध रंग : कुसुमलता मलिक

आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच : नेमिचंद्र जैन

रंग दस्तावेज : महेश आनंद

आज के रंग नाटक : इब्राहिम अल्काज़ी

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

(घ) विकल्प : भाषाविज्ञान

प्रश्नपत्र - 4061 : हिंदी भाषा की संरचना

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा का विश्लेषणात्मक ज्ञान
संरचना और उपांगों की समझ

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा की समझ
भाषा के विश्लेषण की क्षमता

इकाई-1 : हिंदी : सामान्य परिचय

- हिंदी का जनपदीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भ
- मानक हिंदी और हिंदी की क्षेत्रीय बोलियाँ
- संविधान में हिंदी का स्थान

इकाई-2 : ध्वनि-संरचना

- हिंदी की स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण
- हिंदी में महाप्राण व्यंजन ध्वनियों की समस्या
- हिंदी में नासिक्य, अनुस्वार और अनुनासिकता की समस्या
- हिंदी स्वनिम व्यवस्था : खण्ड्य और खण्डेतर

इकाई-3 : रूप, शब्द और पद

- रूप की संकल्पना
- रूपिम की संकल्पना
- शब्द : शब्द और अर्थ का संबध
- शब्द-निर्माण की आवश्यकता और प्रक्रिया
- शब्द के प्रकार
- शब्द-वर्ग
- पद की संकल्पना

इकाई-4 : वाक्य-संरचना, प्रोक्ति-विश्लेषण और अर्थ-संरचना

- वाक्य का स्वरूप और संरचना
- वाक्य के प्रकार : रचना की दृष्टि से - साधारण, मिश्र, संयुक्त
- अर्थ की दृष्टि से - निश्चयार्थक, आज्ञार्थक, विस्मयादिबोधक संबोधनमूलक, विनम्रतामूलक
- प्रोक्ति का स्वरूप और प्रोक्ति-विश्लेषण
- अर्थ की प्रकृति
- पर्यायता

- अनेकार्थता
- विलोमता

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास : कैलाशचंद्र भाटिया
3. हिंदी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी
4. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु
5. हिंदी भाषा : हरदेव बाहरी
6. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 4062 : समाज-भाषाविज्ञान

Course Objective (2-3)

समाजभाषाविज्ञान का विश्लेषणात्मक ज्ञान
समाज में भाषा और भाषाई उपांगों की समझ

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा की सामाजिक समझ और उसका प्रयोग
भाषा के सामाजिक विश्लेषण की क्षमता और उसके उपकरण

इकाई-1 : समाज-भाषाविज्ञान का स्वरूप

- भाषा और समाज
- हिंदी भाषाई समाज का स्वरूप और क्षेत्र
- सामाजिक संदर्भ और भाषा-वैविध्य
- जातीय गठन की प्रक्रिया और भाषाई समाज

इकाई-2 : भाषा और संपर्क

- द्विभाषिकता और बहुभाषिकता
- कोड-मिश्रण और कोड-परिवर्तन
- पिजिन और क्रियोल
- भाषाद्वैत

इकाई-3 : भाषा-नियोजन तथा भाषा-विकल्पन

- भाषा-नियोजन की अवधारणा
- मानकीकरण और आधुनिकीकरण
- भाषा-विकल्पन : प्रयोक्तासापेक्ष विकल्पन
  प्रयोगसापेक्ष विकल्पन – प्रयुक्तिसापेक्ष
  भूमिकासापेक्ष

इकाई-4 : भाषा और सामाजिक संदर्भ

- संबोधन-शब्दावली
- रिश्ते-नाते की शब्दावली
- रंग-शब्दावली

प्रस्तावित पुस्तकें

1. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास : भोलानाथ तिवारी
2. भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदय नारायण तिवारी
3. भाषा (हिंदी अनुवाद) लैनर्ड ब्लूम फील्ड
4. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा
5. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी

अन्य सहायक पुस्तकें -

6. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
7. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
8. भाषाई अस्मिता और हिंदी : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. भाषा और समाज : रामविलास शर्मा

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 4063 : भाषा-शिक्षण

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा शिक्षण का विश्लेषणात्मक ज्ञान
भाषाई संरचना और उपांगों की समझ

Course Learning Outcomes

आधुनिक शिक्षण की समझ और मूल्यांकन की व्यवस्था
भाषा के शिक्षण की क्षमता और विभिन्न शिक्षण मतों की समझ

इकाई-1 : भाषाविज्ञान और भाषा-शिक्षण :

- अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान और भाषा-शिक्षण का संबंध

- भाषा विशेष का व्याकरण और शैक्षिण व्याकरण
- भाषा-अर्जन, भाषा अधिगम और भाषा-शिक्षण

इकाई-2 : भाषा-शिक्षण और भाषा

मातृभाषा

- मातृभाषा-संकल्पना, अर्थ और महत्त्व
- मातृभाषा-शिक्षण के उद्देश्य

अन्य भाषा (द्वितीय भाषा)

- द्वितीय भाषा : संकल्पना, अर्थ और महत्त्व
- द्वितीय भाषा-शिक्षण के उद्देश्य
- द्वितीय भाषा-शिक्षण की प्रक्रिया

अन्य भाषा-शिक्षण की प्रमुख विधियाँ

व्याकरण-अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि

संरचना-विधि तथा श्रवण-भाषण-विधि

विदेशी भाषा

- विदेशी भाषा : संकल्पना, अर्थ और महत्त्व

इकाई-3 : पाठ-नियोजन : सिद्धांत और प्रक्रिया

- पाठ-नियोजन का अर्थ और महत्त्व
- पाठ-नियोजन की आवश्यकता
- पाठ-नियोजन की तकनीक
- पाठ के प्रकार
- पाठ-संकेत-निर्माण की प्रारंभिक आवश्यकताएँ
- विविध पाठों के पाठ-नियोजन की प्रक्रिया

इकाई-4 : भाषा-मूल्यांकन तथा परीक्षण

- भाषा-शिक्षण और त्रुटि-विश्लेषण
- मूल्यांकन तथा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा-परीक्षण के प्रकार्य

- परीक्षण-निर्माण के आधारभूत सिद्धांत
- वस्तुनिष्ठ परीक्षणों का निर्माण तथा उपयोग
- अच्छे परीक्षण की विशेषताएँ
- भाषाई कौशलों का परीक्षण : श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन तथा अन्य रूप
- साहित्यिक विधाओं तथा संस्कृति का परीक्षण
- मूल्यांकन के प्रकार

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी : रामविलास शर्मा
2. भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा
3. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा
4. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
5. हिंदी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी
6. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु
7. हिंदी भाषा : हरदेव बाहरी
8. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

अन्य सहायक पुस्तकें -

9. Hindi Phonetic Reader : Omkar N. Koul
10. Translation and Interpreting : R. Gargesh & K.K. Goswami
11. Applied Linguistics : R.N. Srivastava

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 4064 : शैलीविज्ञान

Course Objective (2-3)

साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान और शैलीविज्ञान की समझ
शैलीविज्ञान की समझ से कृति की संरचना और उपांगों की समझ

Course Learning Outcomes

शैलीविज्ञान और साहित्यिकता की समझ
कृति विश्लेषण की क्षमता

इकाई-1 : शैली और शैलीविज्ञान

- शैली की अवधारणा : भारतीय एवं पाश्चात्य
- शैलीविज्ञान : स्वरूप और क्षेत्र
- शैलीविज्ञान में वस्तुनिष्ठ समीक्षा की प्रक्रिया
- भाषा और सर्जनात्मकता : शैलीविज्ञान का मूल आधार

इकाई-2 : शैलीविज्ञान : विभिन्न संकल्पनाएँ

- अग्रगामिता
- चयन
- विचलन
- समानांतरता
- अप्रस्तुत विधान
- बहुअर्थता

इकाई-3 : शैलीविज्ञान : भाषा की प्रकृति

- सामान्य भाषा
- मानक एवं शास्त्रभाषा
- साहित्य भाषा
- साहित्य भाषा के विश्लेषण के तत्व : ध्वनि, शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ, प्रोक्ति, बिम्ब और प्रतीक

इकाई-4 : शैली-विश्लेषण

- पाठ की संरचना, गठन और संसक्ति
- विन्यासक्रमी - सहचारक्रमी, लेखीय शैली-विश्लेषण

- काव्यभाषा-विश्लेषण
- गद्यभाषा-विश्लेषण

प्रस्तावित पुस्तकें :

शैलीविज्ञान : भोलानाथ तिवारी

संरचनात्मक शैलीविज्ञान : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

शैलीविज्ञान : सुरेश कुमार

अन्य सहायक पुस्तकें -

शैली और शैलीविज्ञान : सं. सुरेश कुमार और रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

शैली और शैली विश्लेषण : पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

(च) विकल्प : आधुनिक जनसंचार माध्यम

प्रश्नपत्र 4051 : संचार माध्यम : अवधारणा, स्वरूप और सिद्धांत

Course Objective (2-3)

संचार माध्यमों का विश्लेषणात्मक ज्ञान
संचार और माध्यमों की समझ

Course Learning Outcomes

संचार की सैद्धांतिक समझ
संचार जगत के विश्लेषण की क्षमता

इकाई–1 : जनसंचार : परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व एवं प्रकार – महत्व, प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं न्यू मीडिया

इकाई–2 : जनसंचार की प्रक्रिया – प्रेषक, संदेश, चैनल, प्राप्तकर्ता, फीडबैक

इकाई–3 : जनसंचार के मॉडल – शैनान एवं वीवर, बरलो, लीनियर, इंटरएक्टिव, ट्रांजक्शन

इकाई–4 : जनसंचार के सिद्धांत – प्राइमिंग, कल्टीवेशन, गेटकीपिंग, हाइपोडर्मिक नीडल थ्योरी, मीडिया इफेक्ट

प्रस्तावित पुस्तकें :
मीडिया का अंडरवर्ल्ड : दिलीप मंडल
समाचार–पत्र प्रबंधन : गुलाब कोठारी
सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार–पत्र : रवीन्द्र शुक्ला
जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग : विष्णु राजगढ़िया
अन्य सहायक पुस्तकें -
सूचना का अधिकार : विष्णु राजगढ़िया, अरविंद केजरीवाल
इलेक्ट्रॉनिक मीडिया : अजय कुमार सिंह
न्यू मीडिया इंटरनेट की भाषायी चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ : आर. अनुराधा
भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया : मधुकर लेले

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र-4052 : जनसंचार माध्यमों का विकास

Course Objective (2-3)

मीडिया तकनीक और सामाजिक इतिहास का विश्लेषण
हिंदी मीडिया संरचना और उपांगों की समझ

Course Learning Outcomes

मीडिया के इतिहास की समझ
संचार क्रांति के विश्लेषण की क्षमता

इकाई-1 : मीडिया तकनीक और समाज का अंतस्संबंध, भारत में फिल्म, रेडियो और टेलीविजन के विकास का सामान्य परिचय, जनसंचार की अवधारणाएँ : मैकलुहान, रेमण्ड विलियम्स, एस. हॉल और पी.सी. जोशी

इकाई-2 : आजादी के पहले की हिंदी पत्रकारिता, उद्‌भव-विकास

इकाई-3 : आजादी के बाद की हिंदी पत्रकारिता और उसकी समस्याएँ

इकाई-4 : संचार क्रांति के बाद की हिंदी पत्रकारिता और उसकी चुनौतियाँ

प्रस्तावित पुस्तकें :

संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र : रेमंड विलियम्स
पूंजीवाद और सूचना युग : संपा, मैक्चेस्नी वुड
संस्कृति विकास और संचार क्रांति : पी.सी. जोशी
अन्य सहायक पुस्तकें -
हिंदी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र
भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास : जेफ्री रोबिन्स
हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका : जगदीश्वर चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र 4053 : समाचार : निर्माण और प्रसारण

Course Objective (2-3)

समाचार और सूचना माध्यमों का विश्लेषणात्मक ज्ञान
समाचार और माध्यमों की समझ

Course Learning Outcomes

समाचार की सैद्धांतिक समझ
विभिन्न समाचारों की विश्लेषण की क्षमता

इकाई-1 : समाचार : अर्थ, अवधारणा और स्वरूप

इकाई-2 : रेडियो समाचार : रिपोर्टिंग, कॉपी लेखन एवं प्रसारण; रेडियो समाचार के विभिन्न रूप, समाचार कक्ष और स्टूडियो, रेडियो की भाषा, तकनीकी शब्दावली

इकाई-3 : टेलीविजन समाचार : रिसर्च, रिपोर्टिंग, पटकथा लेखन, वॉयस ओवर, निर्माण, ग्राफिक्स, प्रसारण, समाचार कक्ष, स्टूडियो और अपलिंकिंग, टी.वी. समाचार के विविध रूप, टेलीविजन की भाषा, तकनीकी शब्दावली

इकाई-4 : वेब समाचार : रिपोर्टिंग, कंटेंट लेखन, संपादन, मोबाइल समाचार, एकीकृत (इंटीग्रेटेड), न्यूज रूम, वेबकास्ट

प्रस्तावित पुस्तकें :

ब्रजमोहन, शैलेश : स्मार्ट रिपोर्टर

मुकेश कुमार, श्याम कश्यप : खबरें विस्तार से

नवनीत मिश्र : रेडियो

वर्तिका नंदा : समाचार संकलन और प्रस्तुति

वेदप्रताप वैदिक : हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम

नंद किशोर त्रिखा : समाचार संकलन और लेखन

मीडिया की बदलती भाषा : अजय कुमार सिंह

समाचार सम्पादन : कमल दीक्षित, महेश दर्पण

अन्य सहायक पुस्तकें -

भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया : मधुकर लेले

वेब पत्रकारिता : नया मीडिया नए रुझान : शालिनी जोशी, शिवप्रसाद जोशी

टीवी एंकरिंग : चैनलों के चेहरे : श्याम कश्यप, मुकेश कुमार

टेलीविजन की कहानी : श्याम कश्यप, मुकेश कुमार

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र-4054 : जनसंचार : अध्ययन प्रविधियाँ

Course Objective (2-3)

जनसंचार माध्यमों का विश्लेषणात्मक ज्ञान
जनसंचार और माध्यमों की समझ

Course Learning Outcomes

जनसंचार की सैद्धांतिक समझ
जनसंचार जगत के विश्लेषण की क्षमता

इकाई-1 : जनसंचार : अर्थ एवं अवधारणा

इकाई-2 : जनसंचार के प्रकार : समाचार-पत्र, रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट, सिनेमा और विज्ञापन एवं जनसंपर्क

इकाई-3 : मीडिया अध्ययन की प्रविधियाँ, संरचनावादी, उत्तर संरचनावादी और चिह्नशास्त्रीय अध्ययन प्रविधि

इकाई-4 : सांस्कृतिक अध्ययन पद्धति : स्त्रीवादी अध्ययन पद्धति

प्रस्तावित पुस्तकें :

ब्रेक के बाद : सुधीश पचौरी
जनमाध्यम सैद्धांतिकी : सुधा सिंह

अन्य सहायक पुस्तकें -

Many voices : One World : Macbride Commission Report (UNO)
The Visual Culture Reader : Ed. Nicholas Mirzeoff
Qualitalive Methodologies for Mass Communication Research : Klaus Bruhn & Nicholos W Jankowski

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

(छ) विकल्प : अनुवाद अध्ययन

प्रश्नपत्र-4031 : अनुवाद के सैद्धांतिक आयाम

Course Objective (2-3)

अनुवाद की सैद्धांतिक समझ और माध्यमों का विश्लेषणात्मक ज्ञान
अनुवाद के क्षेत्रों की समझ

Course Learning Outcomes

अनुवाद की सैद्धांतिक समझ
अनुवाद जगत के विश्लेषण की क्षमता
अनुवाद का व्यावहारिक ज्ञान

इकाई - 1

- अनुवाद के सैद्धांतिक आयाम
- अनुवाद : अर्थ, स्वरूप और विस्तार
- अनुवाद और भाषा का संबंध
- स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा से अभिप्राय
- अनुवाद : विज्ञान, कला, शिल्प या शास्त्र
- अनुवाद की परम्परा : भारतीय एवं पाश्चात्य
- अनुवाद की प्रासंगिकता
- अनुवाद और रोज़गार

इकाई - 2

- अनुवाद की प्रक्रिया
- अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार
- अनुवाद की सीमाएँ एवं समस्याएँ
- अनुवाद के गुण, दायित्व एवं धर्म
- अनुवाद के सिद्धांत

इकाई - 3

- अनुवाद पुनरीक्षण-मूल्यांकन
- तत्काल भाषांतरण : अर्थ, स्वरूप और प्रक्रिया
- अनुवाद और तत्काल भाषांतरण में अंतर
- मशीन अनुवाद और उसकी समस्याएँ
- वैश्विीकरण और अनुवाद

इकाई - 4

- साहित्यिक अनुवाद : काव्यानुवाद एवं गद्यानुवाद
- कार्यालयी अनुवाद
- मीडिया और अनुवाद
- ज्ञान-विज्ञान का साहित्य और अनुवाद
- बैंक, बीमा, वित्त और वाणिज्य में अनुवाद

प्रस्तावित पुस्तकें :

अनुवाद साधना : पूरनचंद टंडन

सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद : सं. सुरेश सिंघल, पूरनचंद टंडन

अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग : नगेंद्र

अनुवाद शतक (एक) : सं. पूरनचंद टंडन

अन्य सहायक पुस्तकें -

अनुवाद शतक (दो) : सं. पूरनचंद टंडन

कम्प्यूटर अनुवाद : पूरनचंद टंडन

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 4032 : भाषा, कोश-विज्ञान, शब्दावली और अनुवाद

Course Objective (2-3)

भाषा, कोशविज्ञान, शब्दावली और अनुवाद माध्यमों का विश्लेषणात्मक ज्ञान
भाषा, कोशविज्ञान, शब्दावली और अनुवाद माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग

Course Learning Outcomes

भाषा, कोशविज्ञान, शब्दावली और अनुवाद की सैद्धांतिक समझ
भाषा, कोशविज्ञान, शब्दावली और अनुवाद जगत के विश्लेषण की क्षमता

इकाई - 1

- अर्थ स्वरूप और विभिन्न परिभाषाएँ
- भाषा विज्ञान और अनुवाद
- भाषा के सामजिक आयाम और अनुवाद
- भाषा का आधुनिकीकरण और अनुवाद
- भाषा का मानकीकरण और अनुवाद

इकाई - 2

- परिभाषिक शब्दावली से अभिप्राय, स्वरूप और महत्त्व
- पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद का संबंध
- परिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया एवं सिद्धांत
- शब्दावली निर्माण के सम्प्रदाय
- शब्दावली की एकरूपता और प्रयोग
- वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग का प्रदेय

इकाई - 3

- बैंक की शब्दावली और अनुवाद
- प्रशासन की शब्दावली और अनुवाद
- विधि की शब्दावली और अनुवाद
- मीडिया की शब्दावली और अनुवाद
- शिक्षा, संस्कृति और ज्ञान-विज्ञान की शब्दावली तथा अनुवाद

इकाई - 4

- अनुवाद के साधन एवं उपकरण
- कोश से अभिप्राय : स्वरूप एवं उपादेयता
- कोश के प्रकार
- कोश निर्माण की प्रक्रिया
- कोश और अनुवाद का संबंध
- कोश देखने की कला

प्रस्तावित पुस्तकें :
अनुवाद बोध : गार्गी गुप्त
अनुवाद के विविध आयाम : पूरनचंद टंडन, हरीश सेठी
अनुवाद प्रक्रिया और स्वरूप : कैलाशचंद्र भाटिया

अन्य सहायक पुस्तकें -
अनुवाद : स्वरूप और आयाम : सं. त्रिभुवन राय
पारिभाषिक शब्दावली की विकास यात्रा : गार्गी गुप्त, पूरनचंद टंडन

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 4033 : अनुवाद के प्रकार्य

Course Objective (2-3)

भाषा और अनुवाद का विश्लेषणात्मक संबंध
भाषा और अनुवाद का व्यावहारिक प्रयोग

Course Learning Outcomes

भाषा, शब्दावली और अनुवाद की सैद्धांतिक समझ
भाषा और अनुवाद जगत के विश्लेषण की क्षमता

इकाई - 1

- सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ और अनुवाद
- रिश्ते नातों की शब्दावली और अनुवाद
- मुहावरे-लोकोक्तियों के अनुवाद
- बहुभाषा-भाषी समाज, राष्ट्र और अनुवाद

इकाई - 2

- राजभाषा हिंदी से अभिप्राय
- हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद
- राजभाषा हिंदी के संवैधानिक प्रावधान
- हिंदी भाषा के विविध रूप अनुवाद
- मातृभाषा, सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, प्रयोजनपरक भाषा
- भाषा के तकनीकी आयाम और अनुवाद की चुनौतियाँ

इकाई - 3

- भाषा के विकास में अनुवाद की भूमिका
- शिक्षा एवं दूरस्थ शिक्षा में अनुवाद की भूमिका
- सूचना प्रौद्योगिकी, भाषा, अनुप्रयोग और अनुवाद
- मीडिया के विभिन्न रूपों की सामग्री और अनुवाद की चुनौतियाँ

इकाई - 4

- प्रशासनिक सामग्री और अनुवाद की प्रक्रिया
- पत्रों के प्रकार और अनुवाद की प्रविधि

- टिप्पण–प्रारम्पण के अनुवाद की प्रविधि
- पदनाम, विभागों के नाम तथा अनुभागों के नामों के अनुवाद की तकनीक
- प्रतिवेदनों के अनुवाद, संक्षेपण अनुवाद के सिद्धांत
- प्रयुक्तियों के अनुवाद की प्रविधि

प्रस्तावित पुस्तकें :

अनुवाद परम्परा और प्रयोजन : गोपाल शर्मा

हिंदी अनुवाद : परंपरा एवं अनुशीलन : किशोरी लाल कलवार

अनुवाद की प्रक्रिया : तकनीक और समस्याएँ : श्रीनारायण समीर

अन्य सहायक पुस्तकें -

तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद : बी.वै. ललिताम्बा

सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद : सं. सुरेश सिंहल, पूरनचंद टंडन

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 4034 : अनुवाद-व्यवहार

Course Objective (2-3)

विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद का विश्लेषणात्मक ज्ञान
साहित्यिक भाषा और अनुवाद माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग

Course Learning Outcomes

साहित्यिक भाषा और अनुवाद की सैद्धांतिक समझ
भाषा और अनुवाद जगत के विश्लेषण की क्षमता

इकाई - 1

- सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद
- काव्यानुवाद, कथा साहित्य का अनुवाद
- उपन्यास, नाटक, संवाद आदि के सम्बद्ध
- अनुच्छेदों के अनुवाद (अंग्रेजी-हिंदी तथा हिंदी-अंग्रेजी)

इकाई - 2

- पारिभाषित शब्दावली का अनुवाद (अंग्रेजी-हिंदी-अंग्रेजी)
- प्रयुक्तियों के अनुवाद
- पदनाम, संक्षिप्ताक्षर, विभागीय नामों के अनुवाद

इकाई - 3

- पत्रों के अनुवाद
- सारानुवाद
- मीडिया की सामग्री का अनुवाद
- ज्ञान-विज्ञान की सामग्री का अनुवाद
- वित्त, वाणिज्य, बैंक-बीमा की सामग्री का अनुवाद
- विधि-अनुवाद

इकाई - 4

- अनुवाद पुनरीक्षण (व्यवहार)

प्रस्तावित पुस्तकें :

व्यावहारिक अनुवाद कला : रमेश चंद्र
अनुवाद का समाजशास्त्र : सूर्यनारायण रणसुभे
अनुवाद कला : एन.ई. विश्वनाथ अय्यर

अन्य सहायक पुस्तकें -

काव्यानुवाद : पूरनचंद टंडन, हरीश सेठी

विधि अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार (भाग 1, 2) : कृष्णगोपाल अग्रवाल एवं पूरनचंद टंडन

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

(ज) <u>विकल्प : अस्मिता विमर्श और हिंदी साहित्य</u>

प्रश्नपत्र - 4091 : अस्मिता : अवधारणा और सिद्धांत

Course Objective (2-3)

अस्मिताओं का विश्लेषणात्मक ज्ञान
अस्मितामूलक अध्ययन की समझ और भारतीय एवं पाश्चात्य विचार

Course Learning Outcomes

विभिन्न अस्मिता का ज्ञान
अस्मिता की निर्मिति, विभेदन, इतिहास और अन्य अवधारणाओं की समझ

इकाई - 1

- अस्मिता की अवधारणाएँ और सिद्धांत
- अस्मिता-निर्माण की प्रकृति

इकाई - 2

- स्मृति, इतिहास और अस्मिता
- अस्मिता और सत्ता
- धर्म और अस्मिता

इकाई - 3

- अस्मिता और राष्ट्र
- भूमंडलीकरण और अस्मिता

इकाई - 4

- व्यक्ति-अस्मिता और सामूहिक अस्मिता
- हाशिए की अस्मिताएँ
- अल्पसंख्यक अस्मिताएँ

प्रस्तावित पुस्तकें :

- New Social Movements : A Theorilical Approch-M Melluci.
- The Lristieva Reader : Ed. T.S. Khun
- Revolution in Poetic Language –Julieva Kristieva.
- Feminist Cultural Theory Process and Production : Ed. Beverly Skeggs.
- The Orginating Patriarchy-Sylvia Walby

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र – 4092 : स्त्री-अस्मिता और हिंदी साहित्य

Course Objective (2-3)

स्त्री-अस्मिता का विश्लेषणात्मक ज्ञान
स्त्री-अस्मिता और सामाजिक संस्थाओं का परिचय

Course Learning Outcomes

स्त्री-अस्मिता और साहित्य-आलोचना की समझ
रचनाओं के विश्लेषण की क्षमता

इकाई – 1 : जेंडर की अवधारणा, स्त्रीवादी चिंतकों की अवधारणाएँ

इकाई – 2 : जेंडर अस्मिता और यौन–अस्मिता, विजेता, सत्ता

इकाई – 3 : जेंडर, भाषा और साहित्य

इकाई – 4 : रचनाओं का चुनाव शिक्षक उपर्युक्त बिंदुओं को ध्यान में रखकर करें। इसमें दो रचनाएँ चुनी जानी चाहिए।

प्रस्तावित पुस्तकें :

- Feminist Thought : A Comprehensive Introductions-Tony Rosemary
- स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द वुआ
- A Vindcalion of The Rights of Women : Mary Wollstoncraft.

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 4093 : दलित अस्मिता और साहित्य

Course Objective (2-3)

दलित अस्मिता का विश्लेषणात्मक ज्ञान
दलित अस्मिता और साहित्य की समझ

Course Learning Outcomes

दलित अस्मिता की सैद्धांतिक समझ
दलित अस्मिता से संबंधित साहित्य की विश्लेषण क्षमता

इकाई : 1 – अंबेडकर और उत्तर अंबेडकर विचार
इकाई : 2 – दलित आंदोलन और दलित साहित्य
इकाई : 3 – दलित साहित्य और भाषा
इकाई : 4 – प्रतिवर्ष दो रचनाओं का चुनाव किया जाएगा। जिनका अध्ययन उपर्युक्त बिंदुओं के संदर्भ में किया जाएगा।

प्रस्तावित पुस्तकें :

- दलित साहित्य विशेषांक : हंस पत्रिका
- अम्बेडकर समग्र भारत सरकार का प्रकाशन
- जूठन - ओमप्रकाश वाल्मीकि
- मेरा बचपन मेरे कंधों पर - श्यौराज सिंह बेचैन

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 4094 : आदिवासी अस्मिता और हिंदी साहित्य

Course Objective (2-3)

आदिवासी अस्मिता का विश्लेषणात्मक ज्ञान
आदिवासी अस्मिता और उनके माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग

Course Learning Outcomes

आदिवासी अस्मिता और साहित्य की सैद्धांतिक समझ
आदिवासी जगत के विश्लेषण की क्षमता

इकाई - 1 : आदिवासी संदर्भ

उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया और आदिवासियों का शोषण, विस्थापन और विलोपन (वैश्विक संदर्भ) ; भारत में आदिवासी प्रश्न और आदिवासियों के आंदोलन; आदिवासी जन के अधिकारों का संयुक्त राष्ट्रसंघ घोषणा-पत्र; भारत का वन अधिकार कानून

इकाई - 2 : आदिवासी साहित्य :

आदिवासी अस्मिता; आदिवासी साहित्य की अवधारणा, ऑरेचर और आदिवासियत (संदर्भ-आदिवासी साहित्य का रांची घोषणा-पत्र-2014); विश्व में आदिवासी साहित्य के विभिन्न रूप-नेटिव अमेरिकन लिटरेच, कलर्ड लिटरेचर, अफ्रीकन, अमेरिकन लिटरेचर, ब्लैक लिटरेचर, एबोरिजिनल लिटरेचर इंडीजीनस लिटरेचर

इकाई - 3 : हिंदी की आदिवासी कविता :

सुशीला सामद, रामदयाल मुंडा, महादेव टोप्पो, निर्मला पुतुल, हरिराम मीणा, ग्रेस कुतूर

इकाई - 4 : हिंदी का आदिवासी गद्य :

राम दयाल मुंडा, रोज के एलिस एक्का, वंदना टेटे

प्रस्तावित पुस्तकें :

हिंदी में आदिवासी साहित्य : इसपाक अली
भारतीय आदिवासी : लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा
आदिवासी कथा : महाश्वेता देवी
आदिवासी स्वर और नई शताब्दी : रमणिका गुपता

अन्य सहायक पुस्तकें -

आदिवासी साहित्य यात्रा : रमणिका गुपता
भारतीय आदिवासी उनकी संस्कृति और सामाजिक पृष्ठभूमि : ललित प्रसाद विद्यार्थी
आदिवासी भाषा और साहित्य : सं. रमणिका गुप्ता
आदिवाी संघर्ष गाथा : विनोद कुमार

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

(झ) हिंदी का लोक-साहित्य

प्रश्नपत्र - 4081 : लोक की अवधारणा और लोक-साहित्य का स्वरूप

Course Objective (2-3)
लोक और लोक-साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान
लोक साहित्य और उनके माध्यम

Course Learning Outcomes

लोक की अवधारणा और लोक-साहित्य की सैद्धांतिक समझ
लोक के विश्लेषण की क्षमता

इकाई - 1

- लोक की समाजशास्त्रीय, एथनोग्राफिक और मनोवैज्ञानिक व्याख्या
- लोक और शास्त्र
- लोक-साहित्य
- लोकधर्म, लोकमंगल

इकाई - 2

- भारत में लोक-साहित्य संबंधी अध्ययन और अनुसंधान : एक सर्वेक्षण

इकाई - 3

- हिंदी लोक-साहित्य : स्वरूप, सर्वेक्षण और संकलन

इकाई - 4

- लोक-संबंधी समकालीन बहसें
- भूमंडलीकरण के दौर में लोक का पुनरोदय
- लोक का व्यावसायिक उपयोग
- अंधलोकवाद के खतरे

प्रस्तावित पुस्तकें :

लोक का आलोक : सं. पीयूष दहिया
लोक : सं. पीयूष दहिया
लोक-साहित्य विज्ञान : सत्येंद्र
लोक-साहित्य की भूमिका : धीरेंद्र वर्मा
लोक साहित्य का अध्ययन : त्रिलोचन पाण्डेय

हिन्दी का लोक : कुछ रस, कुछ रंग : रसाल सिंह

अन्य सहायक पुस्तकें -

लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय

लोक साहित्य : सुरेश गौतम

लोक नाट्य सांग : कल और आज : पूर्णचंद शर्मा

भारतीय लोक अवधारणाओं के आधार एवं स्वरूप : प्रताप सिंह चंदेल

लोकगीत पाठ एवं विमर्श : सत्य प्रिय पांडेय

लोक आख्यान परम्परा और परिदृश्य : श्याम सुंदर दुबे

लोक साहित्य विमर्श : श्याम परमार

लोक साहित्य और लोक संस्कृति : दिनेश्वर प्रसाद

लोक संस्कृति और प्रयोग : श्रीराम शर्मा

भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 4082 : लोकसंस्कृति : विस्तार और अभिव्यक्ति के आयाम

Course Objective (2-3)

लोक-संस्कृति का विश्लेषणात्मक ज्ञान
लोक-संस्कृति और उनके माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग

Course Learning Outcomes

लोक तथा लोक संस्कृति की अवधारणा और साहित्य की सैद्धांतिक समझ
लोकसंस्कृति के विश्लेषण की क्षमता

इकाई : 1- बोली, भाषा, लोकभाषा, देशज शब्द, मुहावरे, लोकोक्ति

इकाई : 2 - लोकसाहित्य में अभिव्यक्ति और अनुभूति का दर्शन

इकाई : 3- छंद, ताल, लय और वाद्य, भाषा और संगीत का अंतस्संबंध

इकाई : 4- लोक संस्कृति, लोकाचार, लोक-विश्वास, लोकोत्सव

प्रस्तावित पुस्तकें :
भारतीय लोक-साहित्य : श्याम परमार
लोक-साहित्य के प्रतिमान : कुंदनलाल उप्रेती
साहित्य सिद्धांत : राम अवध द्विवेदी
लोक-साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा : मनोहर शर्मा

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र – 4083 : हिंदी के क्षेत्र, लोक-शैलियाँ और लोक-साहित्य के विविध आयाम

Course Objective (2-3)

हिंदी लोक शैली और साहित्य के माध्यमों का विश्लेषणात्मक ज्ञान
लोक की अवधारणा और माध्यमों की प्रस्तुति

Course Learning Outcomes

लोक की सैद्धांतिक समझ
लोक शैली और साहित्य के विश्लेषण की क्षमता

इकाई : 1 – हिंदी : लोक-संस्कृति क्षेत्र और लोक-शैलियाँ

इकाई : 2– लोकगीत, देवीगीत, संस्कारगीत, ऋतुगीत, श्रमगीत

इकाई : 3– लोकगाथा, लोकआख्यान, पंडवानी

इकाई : 4– रामलीला, नौटंकी, स्वांग, बिदेसिया

प्रस्तावित पुस्तकें :

Culture as Paraxis : Zygmunt Bauman
Archaeology and Folklore : Amy Gazin-Schwartz & Cornelins J. Holtorf (Edt)
Theory and History of Folklore : Vladimir Propp
Folklore, Myths and Legends : Donna Rosenberg
Folk Culture in India : S.P. Pandey, Awadhesh Kumar Singh
Folk Culture of Manipur : Dr. M. Kirti Singh
An Outline of the Cultural History of India : Syed Abdul Latif
Malabar and its Folk : T.K. Gopal Panikkar
Facets of Indian Culture : Dr. P.C. Muraleemadhavan (Edt.)

अन्य सहायक पुस्तकें -

Mirrors of Indian Culture : Krishna Murthy
Varia Folklorica : Alan Dundes (Edt.)
Folkways in Rajasthan : V.B. Mathur
Folktales of U.P. Tribes : Amir Hasan & Seemin Hasan
Indian Folk tales of North-East : Tamo Mibang, P.T. Abrahan

Traditions of Indian Folk Dance : Kapila Vatsyayan

Many Ramayana : Richman

Folk Life : (Journal)

लोक नाट्य सांग : आज और कल : पूर्णचंद शर्मा

भारतीय लोकगीत सांस्कृतिक अस्मिता : सुरेश गौतम

हिन्दी का लोक : कुछ रस, कुछ रंग : रसाल सिंह

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

प्रश्नपत्र - 4084 : लोकसाहित्य और अनुसंधान के आयाम

Course Objective (2-3)

लोक और उसके अनुसंधान का विश्लेषणात्मक ज्ञान
लोक, अस्मिता व साहित्य और उनके प्रस्तुति माध्यम

Course Learning Outcomes

लोक की सैद्धांतिक समझ
लोक साहित्य और उनके अनुसंधान-विश्लेषण की क्षमता

इकाई : 1- लोक-साहित्य में परंपरा और परिवर्तन

इकाई : 2- लोक-साहित्य के वर्चस्व और प्रतिरोध
पितृसत्ता, जातिसत्ता और धर्मसत्ता के संदर्भ में

इकाई : 3- लोक-साहित्य में इतिहास और समकाल की अनुगूँज

इकाई : 4- लोक-साहित्य और शास्त्रीय साहित्य का अंतस्संबंध

प्रस्तावित पुस्तकें :

New Social Movements : A Theorilical Approach - M Melluci.
The Kristieva Reader : Ed. T.S. Kuhn
Revolution in Poetic Lananguage – Julieva Kristieva.
Feminist Cultural Theory Process and Production : Ed. Beverly Skeggs.

अन्य सहायक पुस्तकें -

The Orginating Patriarchy – Sylvia Walby
लोक आख्यान परम्परा और परिदृश्य : श्याम सुंदर दुबे

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

सेमेस्टर–2

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम **(Open Elective Course)**

*नोट : विद्यार्थी (क) और (ख) में से किसी एक विकल्प का चयन करें।

*प्रश्नपत्र : 5002

(क) हिंदी सृजनात्मक लेखन

(ख) प्रयोजनमूलक हिंदी

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Open Elective Course)

(विद्यार्थी 'प्रयोजनमूलक हिंदी' और 'हिंदी सृजनात्मक लेखन' में से किसी एक विकल्प का चयन करें)

सेमस्टर-II

(क) प्रश्नपत्र : 5002 - हिंदी सृजनात्मक लेखन

Course Objective (2-3)

हिंदी सृजनात्मक लेखन का विश्लेषणात्मक ज्ञान
सृजनात्मक लेखन और उनके माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग

Course Learning Outcomes

सृजनात्मक लेखन और साहित्य की सैद्धांतिक समझ
सृजनात्मक जगत के विश्लेषण की क्षमता

इकाई -1

- सृजनात्मक लेखन : काव्य एवं गद्य का संदर्भ
- सृजनात्मक लेखन से अभिप्राय : स्वरूप एवं आयाम
- काव्य का स्वरूप और रचना-प्रक्रिया
- गीत लेखन, मुक्तक लेखन, लंबी कविता-लेखन, प्रबंध-लेखन
- छंदबद्ध लेखन एवं मुक्त छंद लेखन
- लेखन की विषयवस्तु का निर्धारण एवं चयन
- लघु कथा, कहानी, एकांकी, नाटक, उपन्यास आदि के लेखन की प्रविधि एवं प्रक्रिया

इकाई -2

- मीडिया एवं फीचर लेखन में सृजनात्मक अपेक्षा तथा आयाम
- प्रिंट एवं दृश्य-श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन के क्षेत्र एवं विस्तार
- मीडिया लेखन में सृजनशीलता का वैशिष्ट्य
- फीचर लेखन से अभिप्राय : स्वरूप, महत्त्व और क्षेत्र
- फीचर लेखन की विशेषताएँ
- फीचर लेखन की रचना-प्रक्रिया
- रेडिया, टी.वी. और कम्प्यूटर आदि के लिए सृजनात्मक लेखन के क्षेत्र, प्रविधि और प्रक्रिया

इकाई-3

- रेडियो-टी.वी. लेखन और सृजनात्मकता
- रेडियो-टी.वी. : बच्चों के लिए सृजनात्मक लेखन
- रेडियो-टी.वी. प्रहसन, एकांकी और नाट्य-लेखन

- रेडियो-टी.वी. प्रसारण, एनीमेशन और सृजनशीलता
- हास्य व्यंग्य एवं मनोरंजन विषयक लेखन और सृजनशीलता
- कृषकों, ग्रामीणों के लिए लेखन और सृजनात्मकता

इकाई-4

- गद्य की विभिन्न विधाओं का लेखन और सृजनशीलता
- कहानी लेखन और सृजनात्मकता
- संस्मरण, रेखाचित्र लेखन और सृजनधर्मिता
- संवाद-लेखन और सृजन-धर्म
- साक्षात्कार प्रविधि और सृजनात्मक बोध
- रिपोतार्ज लेखन, डायरी लेखन, जीवनी लेखन आदि में सृजनात्मकता

प्रस्तावित पुस्तकें :

मीडिया लेखन कला : सूर्य प्रसाद दीक्षित, पवन अग्रवाल

हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक

फीचर लेखन : पूरनचंद टंडन, सुनील तिवारी

अन्य सहायक पुस्तकें -

सूचना प्रोद्यौगिकी, हिंदी और अनुवाद : सं. नीता गुप्ता, पूरनचंद टण्डन

सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद : सुरेश सिंहल, पूरनचंद टंडन

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

(ख) प्रश्नपत्र - 5002 : प्रयोजनमूलक हिंदी

Course Objective (2-3)

प्रयोजनमूलक हिंदी का विश्लेषणात्मक ज्ञान

प्रयोजनमूलक हिंदी और उनके माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग

Course Learning Outcomes

प्रयोजनमूलक हिंदी की सैद्धांतिक समझ

प्रयोजनमूलक हिंदी के विश्लेषण की क्षमता

इकाई - 1 : प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय और क्षेत्र

- अर्थ-विस्तार, आवश्यकता और विशेषताएँ
- हिंदी की भूमिकाएँ : राजभाषा, संपर्क भाषा, साहित्यिक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा
- भारतीय भाषाएँ
- हिंदी की समृद्धि व प्रकार, हिंदी का वैविध्य
- पारिभाषिक शब्दावली का निर्धारण, सिद्धांत एवं सामान्य विशेषताएँ, पारिभाषिक शब्दावली-निर्माण, वर्गीकरण, व्युत्पादन प्रक्रिया
- मौखिक और लिखित भाषा का स्वरूप, अंतर
- लिपि-वर्तनी का मानक रूप
- शब्द संपदा और उसका मानकीकरण
- आधारभूत वाक्य संरचना
- हिंदी : मानकीकरण और आधुनिकीकरण की प्रक्रिया

इकाई - 2 : जनसंचार में हिंदी

- जनसंचार माध्यम : विविध आयाम
- जनसंचार माध्यम : विविध भाषिक रूप
- विज्ञापन और हिंदी
- संपादन कला

इकाई - 3 : वैज्ञानिक और तकनीकी भाषा रूप

- वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी की प्रयुक्तियाँ
- वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली
- पर्याय निर्धारण-शब्द निर्माण, प्रयोग
- वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन

इकाई - 4 : प्रशासनिक पत्राचार, विविध रूप

- प्रारूपण, कार्यालयी पत्राचार, संक्षेपण, टिप्पण, पल्लवन, प्रतिवेदन

प्रस्तावित पुस्तकें :

प्रयोजनमूलक हिंदी :. दंगल झाल्टे

हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : कैलाशचन्द्र भाटिया

प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी : कैलाशचन्द्र भाटिया

भूमंडलीकरण, सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी : संपादक-पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमार तिवारी

अन्य सहायक पुस्तकें -

प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयुक्ति: जितेंद्र वत्स

हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद : पूरनचंद टंडन

हिंदी भाषा प्रयोजनमूलकता एवं आयाम : हरमोहन लाल सूद, देवेन्द्र कुमार

आजीविका साधन हिंदी : पूरनचंद टण्डन

सूचना प्रौद्योगिकी : हिंदी और अनुवाद : सं. पूरनचंद टंडन

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

सेमेस्टर–4

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम **(Open Elective Course)**

*नोट : विद्यार्थी (क) और (ख) में से किसी एक विकल्प का चयन करें।

*प्रश्नपत्र : 5004

(क) हिंदी भाषा-शिक्षण

(ख) हिंदी सिनेमा और साहित्य

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Open Elective Course)
सेमस्टर-IV

(विद्यार्थी 'हिंदी भाषा-शिक्षण' और 'हिंदी सिनेमा और साहित्य' में से किसी एक का चयन करें)

(क) प्रश्नपत्र - 5004 : हिंदी भाषा-शिक्षण

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा शिक्षण का विश्लेषणात्मक ज्ञान
हिंदी भाषा शिक्षण और उनके माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा शिक्षण की सैद्धांतिक समझ
हिंदी शिक्षण-विश्लेषण की क्षमता

इकाई - 1 : भाषा-शिक्षण के विविध आयाम

- भाषा, व्यक्ति और समाज
- भाषा शिक्षण का सामाजिक, राष्ट्रीय एवं शैक्षिक संदर्भ
- भाषा शिक्षण के संदर्भ में मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के रूप में हिंदी

इकाई - 2 : भाषा शिक्षण विधि

- भाषा अधिगम और शिक्षण
- भाषा-शिक्षण की प्रविधियाँ-व्याकरण विधि, अनुवाद विधि, व्याकरण-अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि, तुलनात्मक विधि, मिश्र विधि, मौखिक-वार्तालाप विधि
- व्याकरण, अनुवाद एवं मौखिक वार्तालाप विधि की सार्थकता और सीमाएँ

इकाई - 3 : हिंदी भाषा-शिक्षण के विभिन्न पक्ष

- कौशल शिक्षण : श्रवण एवं उच्चारण, वाचन, लेखन : लिपि, वर्तनी एवं पाठ/अनुच्छेद, व्याकरणिक संरचना
- गद्य एवं पद्य पाठों एवं संबंधित विधाओं का शिक्षण-कविता, कहानी, निबंध एवं नाटक

इकाई - 4 : भाषा-मूल्यांकन तथा परीक्षण

- भाषा-शिक्षण और त्रुटि-विश्लेषण

- मूल्यांकन तथा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा-परीक्षण के प्रकार्य
- भाषाई कौशलों का परीक्षण : श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन तथा अन्य रूप
- साहित्यिक विधाओं तथा संस्कृति का परीक्षण
- मूल्यांकन के प्रकार

प्रस्तावित पुस्तकें :

भाषा-शिक्षण : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
हिंदी भाषा शिक्षण : भोलानाथ तिवारी
भाषा-शिक्षण - कुछ नइ विचार-बिंदु : इंदिरा नुपूर
हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण : सूरजभान सिंह
हिंदी भाषा और नागरी लिपि : (सं.) लक्ष्मीकांत वर्मा

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Open Elective Course)
सेमस्टर-IV

(ख) प्रश्नपत्र-5004 : हिंदी सिनेमा और साहित्य

Course Objective (2-3)
हिंदी सिनेमा और साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान
हिंदी सिनेमा और साहित्य की प्रस्तुति माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग

Course Learning Outcomes

हिंदी सिनेमा और साहित्य की सैद्धांतिक समझ
सिनेमा और साहित्य जगत के विश्लेषण की क्षमता

इकाई - 1

- सिनेमा का स्वरूप
- सिनेमा का उद्‌भव
- कैमरे की भूमिका
- दर्शक और स्क्रीन का संबंध
- सिनेमा के प्रकार : कथात्मक दस्तावेजी
- प्रयोगात्मक और कला सिनेमा

इकाई - 2

- सिनेमा का इतिहास
- सिनेमा का आरंभिक युग
- सन साठ के बाद का न्यू वेब सिनेमा
- इंटरनेट और 21वीं सदी में सिनेमा के नए रूप

इकाई - 3

- हिंदी सिनेमा : समाज और संस्कृति-बालमनोविज्ञान और सिनेमा स्त्री-विमर्श और सिनेमा
- सांस्कृतिक विमर्श और सिनेमा
- राष्ट्रीयता और सिनेमा

इकाई - 4

सिनेमा और साहित्य का संबंध, साहित्यिक कृतियों पर बनी हिंदी फिल्में, विशेष अध्ययन : गोदान, शतरंज के खिलाड़ी, तीसरी कसम, रजनीगंधा

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. लेखक का सिनेमा : कुंवर नारायण
2. पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी

अन्य सहायक पुस्तकें -

3. Film Theory : An Introduction Through the Senses, by Thomas Elsaesser and Malte Hagener
4. हिंदी सिनेमा सदी का सफ़र : अनिल भार्गव
5. साहित्य, सिनेमा और समाज : पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमार तिवारी
6. भारतीय सिनेमा का सफरनामा : सं. जयसिंह
7. समय, सिनेमा और इतिहास : संजीव श्रीवास्तव
8. सिनेमा का जादुई सफ़र : प्रताप सिंह

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट